बाधो, मास , वर्ष-10, अंक 163, पृष्ठ- 8, मूल्य : 02 रुपये

प्रयागराज शुक्रवार 06 सितम्बर, 2024

TM

नगर संस्करण

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित एवं सम्पूर्ण भारत वर्ष मे प्रसारित

Adhunik Samachar

10 वर्ष विश्वास के

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE

(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)

कम्प्यूटर ऑपरेटर एण्ड प्रोग्रामिंग असिस्टेंट (COPA)

COPA कोर्स सभी प्रकार की नौकरियों जैसे-

पुलिस विभाग (कम्प्यूटर आपरेटर)

रक्षा मंत्रालय (DRDO) भारत सरकार मुद्रण विभाग, राजकीय आई.टी.आई. इंस्ट्रक्टर, स्वास्थ्य विभाग और सभी सरकारी विभागों, बैंक / प्रतिष्ठानों के लिए मान्य यह प्रमाणपत्र O-Level के समकक्ष है।

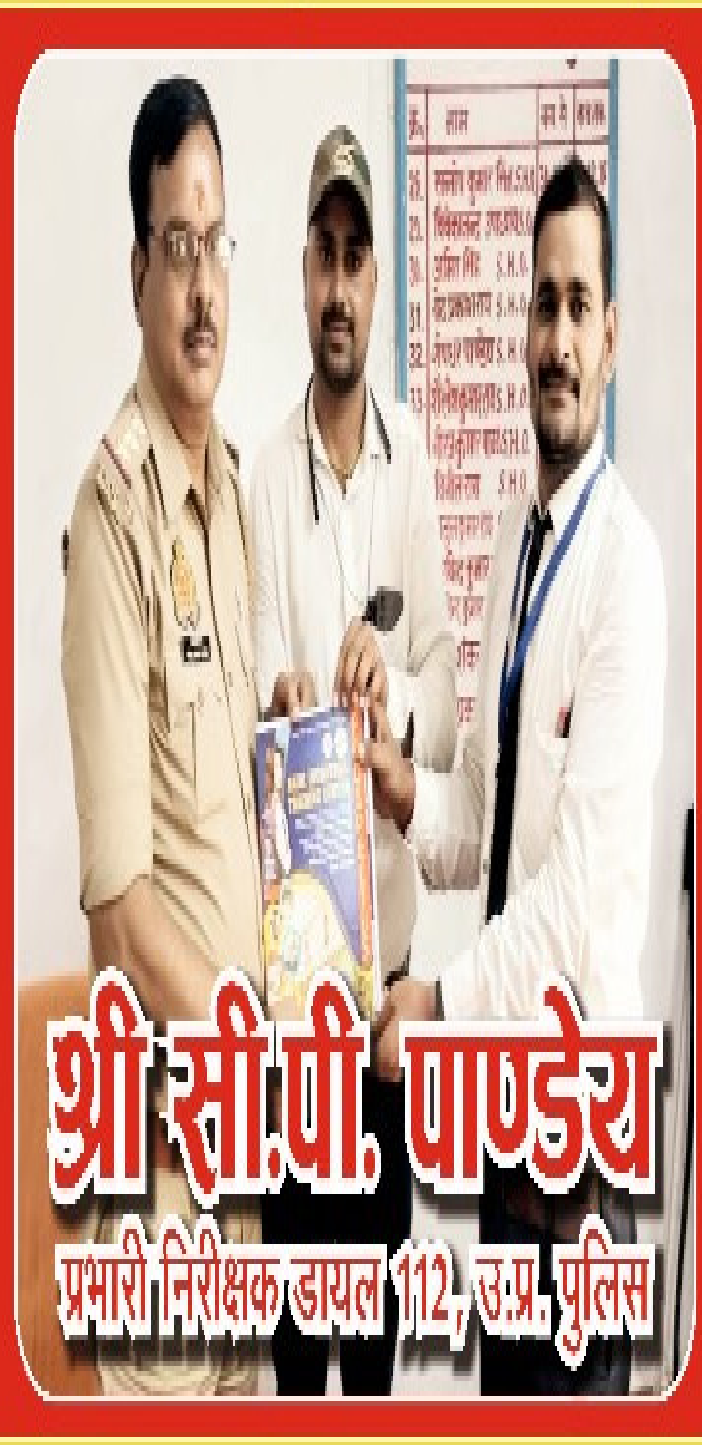

श्री सी.पी. पाण्डेय

प्रभारी निरीक्षक डायल 112, उ.प्र. पुलिस

विशेष - ये कोर्स रेलवे द्वारा निकाली जाने वाली कम्प्यूटर ऑपरेटर की रिक्तियों के लिए मान्य है।

Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480

Enjoy Publicity

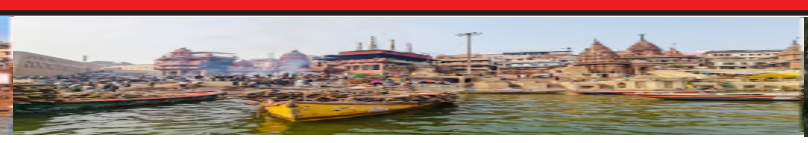

वृंदा प्रसाद बालिका विद्यायालय कटघर के 11 शिक्षकों को लायंस क्लब इलाहाबाद गंगा द्वारा स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ अंग वस्त्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। दिनांक 5 सितंबर 2024 दिन बृहस्पतिवार को शिक्षक दिवस के अवसर पर वृंदा प्रसाद बालिका विद्यालय कटघर के 11 शिक्षकों को लायंस क्लब इलाहाबाद गंगा द्वारा स्मृति चिन्ह एवं पुष्प गुच्छ अंग वस्त्र प्रदान करते हुए सम्मानित किया गया कार्यक्रम के संयोजक लायन देवव्रत एडवोकेट द्वारा बताया गया कि लायंस क्लब इलाहाबाद गंगा के अध्यक्ष लायन प्रवीण श्रीवास्तव सचिन सुबोध श्रीवास्तव एवं कोषाध्यक्ष लायन व्याख्या तिवारी जी पूर्व अध्यक्ष लायन अमित तिवारी एवं कार्यक्रम के संयोजक देवव्रत आर्य एडवोकेट पूर्व रीजन चेयरपर्सन एवं कार्यक्रम की वरिष्ठ सदस्य लायन डॉक्टर प्रोफेसर अंजू श्रीवास्तव जी एवं शांभवी श्रीवास्तव कार्यक्रम में उपस्थित रहे विद्यालय के बच्चों द्वारा बहुत ही आकर्षक एवं मनमोहक सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया अपने उद्बोधन में डॉक्टर अंजू श्रीवास्तव द्वारा शिक्षक के महत्व थ्रेंद बारे में उपस्थित लोगो को अवगत कराया और बताया कि शिक्षक ही मानव निर्माण एवं मानव के चरित्र निर्माण का प्रथम सोपान होता है सम्मानित किए जाने वाले शिक्षकों के में वहां के प्रधानाचार्य प्रतिभा दुबे जी आर्य कन्या डिग्री कॉलेज की प्रोफेसर डॉक्टर अंजू श्रीवास्तव जी पूनम यादव जी नमीता अग्रवाल बिनु अग्रहरि नेहा भट्ट रीमा राव प्रीति केसरवानी मीनाक्षी गुप्ता एवं कल्पना सिंह यह जानकारी कार्यक्रम के संयोजक लायन देवव्रत आर्य एडवोकेट द्वारा दिया गया। आधुनिक समाचार के प्रधान संपादक परम आदरणीय गुरु जी को जन्मदिन की अनंत शुभकामनाएं आप स्वस्थ और दीर्घायु रहें ऐसी हम कामना करते है।

मारपीट के आरोपी जूनियर डॉक्टरों ने नहीं दिया जवाब, चीफ प्रॉक्टर ने लगाई फटकार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। दो दिन पहले वार्ड 12 में मरीज के तीमारदारों को तीन जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने जमकर पीटा था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तहरीर पर अज्ञात चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड को जांच करने का निर्देश दिया। बांदा के तीमारदारों से मारपीट मामले में जवाब नहीं देने पर बुधवार को प्रॉक्टर डॉ.दिलीप चौरसिया ने तीनों आरोपी जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों को फटकार लगाई। कहा, तत्काल लिखित जवाब दें। वहीं, खबर लिखे जाने तक उनके बयान भी प्रस्तुत नहीं किए गए थे। दो दिन पहले वार्ड 12 में मरीज के तीमारदारों को तीन जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों ने जमकर पीटा था। इसका वीडियो वायरल होने के बाद पुलिस ने तहरीर पर अज्ञात चिकित्सकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। इस मामले में मोती लाल नेहरू मेडिकल कॉलेज ने प्रॉक्टोरियल बोर्ड को जांच करने का निर्देश दिया। मंगलवार को प्रॉक्टर डॉ.दिलीप चौरसिया ने तीनों जूनियर रेजिडेंट डॉक्टरों से लिखित जवाब मांगा था।इसके अलावा मारपीट के दौरान वार्ड में मौजूद वार्ड बॉय और अन्य स्वास्थ्य कर्मियों का भी बयान होना था। लेकिन, इनमें से कोई कार्रवाई नहीं हो सकी। बुधवार को डॉ. दिलीप चौरसिया ओटी होने की वजह से वार्ड बॉय और अन्य मेडिकल स्टाफ का बयान नहीं लिया जा सका। ऐसे में उम्मीद है कि मामले की रिपोर्ट बृहस्पतिवार तक प्राचार्य के समक्ष प्रॉक्टर डॉ. दिलीप चौरसिया की तरफ से प्रस्तुत की जाएगी। तीनों जेआर ने लिखित जवाब तय समय पर नहीं दिया। इसकी वजह से उन्हें तत्काल जवाब दाखिल करने के लिए कहा गया। वहीं, ओटी होने की वजह से वार्ड बॉय और अन्य मेडिकल स्टाफ का बयान दर्ज नहीं हो सका।

विषय की सीमाओं को तोड़ रखी 'पूरब के ऑक्सफोर्ड' की नींव, इविवि को शिखर तक पहुंचाया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। भौतिकी के प्रो. मेघनाद साहा और संस्कृत विभाग के प्रो. क्षेत्रेश चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रयासों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पुरातात्विक अध्ययन की शुरुआत हुई। जंतु विज्ञान के प्रो. दक्षिणा रंजन भट्टाचार्य ने संगीत विभाग की नींव रखी। दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. पीआर नायडू ने शिक्षाशास्त्र विभाग की स्थापना की। इतिहास विभाग के प्रो. बेनी प्रसाद ने राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना की। इलाहाबाद विश्वविद्यालय (इविवि) को यूं ही 'पूरब के ऑक्सफोर्ड' का दर्जा नहीं मिला। इसके पीछे शिक्षा जगत के उन दिग्गजों की कड़ी मेहनत है, जिन्होंने विषय की सीमाओं को तोड़ नए कीर्तिमान गढ़े और दूसरे विषयों में भी अपना महत्वपूर्ण योगदान देते हुए इलाहाबाद विश्वविद्यालय को शिखर तक पहुंचाया। इन दिनों हर तरफ अंतर्विषयी शिक्षा पर जोर है, जिसकी नींव इलाहाबाद विश्वविद्यालय में डेढ़ सौ साल पहले रख दी गई थी। इसकी शुरुआत सबसे पहले प्रो. मौलवी मोहम्मद जकाउल्ला ने की थी, जो इविवि में सबसे पहले नियुक्त पांच शिक्षकों में से एक थे। उन्हें एक जुलाई 1872 को प्रोफेसर के पद पर नियुक्त किया गया था। प्रो. जकाउल्ला उर्दू, अरबी, फारसी के साथ गणित की कक्षाएं भी लिया करते थे। वह गणित की कक्षाएं उर्दू में लिया करते थे।भौतिकी के प्रो. मेघनाद साहा और संस्कृत विभाग के प्रो. क्षेत्रेश चंद्र चट्टोपाध्याय के प्रयासों से इलाहाबाद विश्वविद्यालय में पुरातात्विक अध्ययन की शुरुआत हुई। जंतु विज्ञान के प्रो. दक्षिणा रंजन भट्टाचार्य ने संगीत विभाग की नींव रखी। दर्शनशास्त्र विभाग के प्रो. पीआर नायडू ने शिक्षाशास्त्र विभाग की स्थापना की। इतिहास विभाग के प्रो. बेनी प्रसाद ने राजनीति विज्ञान विभाग की स्थापना की। अंग्रेजी विभाग के प्रो. रघुपति सहाय (फिराक गोरखपुरी) ने उर्दू में 'गुले नगमा' जैसी कालजयी रचना की तो अंग्रेजी विभाग के डॉ. हरिवंश राय बच्चन ने हिंदी में मधुशाला जैसी 'अद्वितीय' रचना की। इविवि के पूर्व शिक्षक प्रो. एके श्रीवास्तव ने अपनी पुस्तक 'इलाहाबाद विश्वविद्यालय के कीर्तिस्तंभ' में लिखा है कि ऐसे विद्वानों की वजह से विश्व के अकादमिक जगत ने इविवि को 'इलाहाबाद स्कूल ऑफ हिस्ट्री', 'इलाहाबाद स्कूल ऑफ इकनॉमिक्स', 'इलाहाबाद स्कूल ऑफ फिलॉसफी' जैसे सम्मान दिए।

नई अध्यक्ष के चार्ज ग्रहण करते ही प्राथमिक शिक्षक भर्ती को लेकर धरना शुरू, जमकर नारेबाजी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। शिक्षा सेवा चयन आयोग की नई अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय के कार्यभार ग्रहण करने के बाद अभ्यर्थियों ने 97 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया। छात्रों ने जमकर नारेबाजी की और भर्ती प्रक्रिया शीघ्र शुरू करने की मांग की। बड़ी संख्या में छात्र आयोग के दफ्तर के सामने धरने पर भी बैठ गए। उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग की नई अध्यक्ष प्रो. कीर्ति पांडेय ने बुधवार को कार्यभार ग्रहण कर लिया। एलनगंज स्थित आयोग के दफ्तर पहुंचकर प्रो. पांडेय ने चार्ज ग्रहण किया। उनके पहुंचने से पहले ही सैकड़ों की संख्या में छात्र सुबह से ही आयोग के दफ्तर पर पहुंच गए थे।प्रो. पांडेय के कार्यभार ग्रहण करने के बाद अभ्यर्थियों ने 97 हजार रिक्त पदों पर भर्ती की मांग को लेकर प्रदर्शन शुरू कर दिया।

मां वैष्णो देवी धाम के लिए सीधी ट्रेन सेवा शुरू, सांसद ने जम्मू मेल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
प्रयागराज। प्रयागराज से मां वैष्णो देवी कटरा के लिए सीधी ट्रेन सेवा नहीं थी। यहां से जम्मू के लिए मुरी और ऊधमपुर के लिए सीधी ट्रेन चल रही थी। अब जम्मू मेल मां वैष्णो देवी के धाम तक संचालित हो रही है। अभी इस ट्रेन का संचालन दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा के लिए शुरू हो गया है। सूबेदार रेलवे स्टेशन से मां वैष्णो देवी धाम जाने वाली ट्रेन जम्मू मेल को बृहस्पतिवार को सांसद प्रवीण सिंह पटेल ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस मौके पर महापौर उमेश चंद्र गणेश केसरवानी और क्षेत्रीय विधायक और पूर्व मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह के साथ एडीआरएम संजय कुमार सिंह भी मौजूद रहे। ट्रेन को चलाने के लिए कई दिन से तैयारियां चल रही थीं। सांसद व अन्य दोनों जनप्रतिनिधियों ने सुबह 10.35 बजे हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह ट्रेन दूसरे दिन यानी शुक्रवार को सुबह 9.15 बजे कटरा पहुंचेगी. प्रयागराज से मां वैष्णो देवी कटरा के लिए सीधी ट्रेन सेवा नहीं थी। यहां से जम्मू के लिए मुरी और ऊधमपुर के लिए सीधी ट्रेन चल रही थी। अब जम्मू मेल मां वैष्णो देवी के धाम तक संचालित हो रही है।। अभी इस ट्रेन का संचालन दिल्ली से श्री माता वैष्णो देवी कटरा के लिए शुरू हो गया है। दो माह पूर्व ही इस ट्रेन के सूबेदारगंज तक विस्तार की मंजूरी रेलवे बोर्ड ने दी थी। सुबह 10.35 बजे सूबेदारगंज से ट्रेन रवाना होगी। यहां से दिल्ली के बीच ट्रेन का फतेहपुर, गोविंदपुरी, टुंडला और अलीगढ़ रेलवे स्टेशन पर ठहराव होगा। शाम 7.50 बजे जम्मू मेल पुरानी दिल्ली रेलवे स्टेशन पहुंच जाएगी। 15 मिनट के ठहराव के बाद रात 8.10 बजे जम्मू मेल श्री माता वैष्णो देवी कटरा के लिए रवाना होगी।

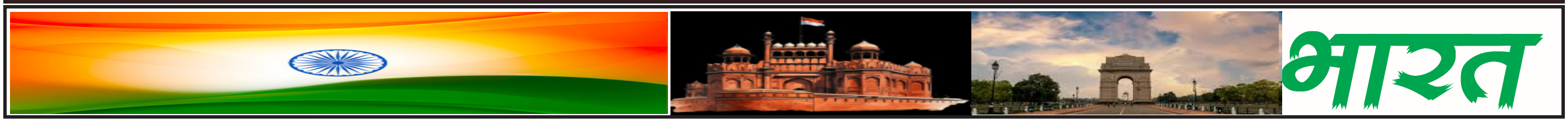

भारत

संक्षिप्त समाचार

उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज में पैसे लेकर बढ़ाए अंक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
बंगाल। उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज में पैसे लेकर अंक बढ़ाने का मामला सामेने आया है। आरोप है कि छात्रों को 52 के बदले 80 अंक दिए गए है। उत्तर बंगाल मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में बुधवार को छात्रों ने विरोध प्रदर्शन किया। दरअसल छात्रों ने पैसे के बदले अंक बढ़ाने, डॉक्टरों को स्थानांतरित करने के आरोप में डीन और प्रिंसिपल को

घेर लिया। इस दौरान डॉक्टर अभीक डे और उनके समर्थकों के खिलाफ भी छात्रों ने आवाज उठाई।आंदोलनकारी छात्र अस्पताल में 'थ्रेट कल्चर' तुरंत बंद करने की मांग की। डे व उनके समूह के खिलाफ कॉलेज में पोस्टर भी लगाए गए। इसके अलावा, जूनियर डॉक्टरों ने अभीक डे को मेडिकल कॉलेज में प्रवेश न देने की मांग की। अभीक के खिलाफ आरोप हैं कि एक खास छात्र नेता के अंक को सफेद काली से मिटाकर बढ़ा दिए गए। एक एचओडी ने कहा, उन्होंने 52 अंक दिए थे, लेकिन मार्कशीट में अंक 80 लिखा गया। छात्रों ने कहा कि यह तो केवल एक उदाहरण है। ऐसे कई मामले हैं, जहां नंबर बढ़ाए गए हैं। एक प्रमुख ने कहा, अंक बढ़ाए गए हैं। डीन ने कहा, नंबर बढ़ाने के लिए अभीक डे के फोन आते थे। अगर बार-बार फोन आते तो मैं परेशान होकर बाहर चला जाता था। जवाब में आंदोलनकारी छात्रों ने कहा नाम बताओ। तब डीन ने माफी मांगते हुए कहा, कुछ मामलों में प्रिंसिपल सर के पास भी फोन आ चुके हैं। वह कहते थे कि तुम ज्यादा देर मत रुको। लेकिन इतने बार फोन आता था कि सभी परेशान हो जाते थे। सर बाहर चले जाते थे। मेरे पास 14 बार फोन आया। अभीक के अलावा फाइनल इय्यर में शाहीन सरकार ने फोन किया था। हालांकि, प्रिंसिपल ने कहा, मेरे पास कोई फोन नहीं आया। डॉक्टरों को सुरक्षा देने के प्रयासों को लेकर केंद्र ने राज्यों से रिपोर्ट मांगी है। बुधवार को केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने सभी राज्य के मुख्य सचिव और पुलिस महानिदेशकों को भेजे पत्र में कहा है कि कुछ राज्यों ने केंद्र की सलाह पर अस्पतालों में सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की है। हालांकि, अभी भी ज्यादातर राज्यों के बारे में जानकारी उपलब्ध नहीं है। ऐसे में एक सप्ताह के भीतर राज्यों से रिपोर्ट देने के लिए कहा है।

आत्मसमर्पण करना चाहता था मूर्तिकार शिवाजी की प्रतिमा गिरने के मामले में वकील का दावा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। पुलिस ने दावा किया कि उन्हें एक गुप्त सूचना मिली थी कि वह कल्याण में अपने परिवार के सदस्यों से मिलने आएगा। इसी के आधार पर हमने जाल बिछा कर आप्टे को गिरफ्तार किया। उन्होंने कहा कि हमने उनके परिवार के सदस्यों से बातचीत की और फैसला किया कि आप्टे के लिए आत्मसमर्पण करना और जांच एजेंसी की सहायता करना ठीक रहेगा। साथ ही उन्होंने पुलिस के इस दावे कि आप्टे पुलिस से छिप

रहे हैं, को भी खारिज कर दिया। महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग में छत्रपति शिवाजी महाराज की प्रतिमा ध्वस्त होने के मामले में मूर्तिकार-ठेकेदार जयदीप आप्टे को गिरफ्तार कर लिया गया है। इस बीच, मूर्तिकार के वकील ने दावा किया है कि जयदीप आप्टे पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करना चाहता था। साथ ही उन्होंने कहा कि वह जिले के कल्याण में अपने परिवार से मिलने आए थे। जहां से बुधवार की रात गिरफ्तार किया गया। गौरतलब है कि आप्टे पिछले 10 दिनों से फरार चल रहे थे।देर रात पत्रकारों से बात करते हुए उनके वकील गणेश सोवानी ने कहा कि आप्टे पुलिस के सामने आत्मसमर्पण करने और कानूनी कार्रवाई का सामना करना चाहते थे। अपनी इसी योजना के तहत आत्मसमर्पण करने के लिए कल्याण आए थे। वहीं, पुलिस ने दावा किया कि उन्हें एक गुप्त सूचना मिली थी कि वह कल्याण में अपने परिवार के सदस्यों से मिलने आएगा। इसी के आधार पर हमने जाल बिछा कर आप्टे को गिरफ्तार किया। पुलिस ने यह भी दावा किया कि गिरफ्तारी के समय उसने अपनी पहचान छिपाने के लिए मास्क पहन रखा था। गौरतलब है कि शिवाजी महाराज की प्रतिमा अनावरण के नौ महीने से भी कम समय में ढह गई थी। तभी से सिंधुदुर्ग पुलिस आप्टे (24) की तलाश कर रही थी और सात टीमें बनाई थीं। प्रतिमा गिरने के बाद मालवन पुलिस ने आप्टे और संरचनात्मक सलाहकार चेतन पाटिल के खिलाफ लापरवाही और अन्य अपराधों के लिए मामला दर्ज किया।

केजरीवाल ने ईडी मामले में जमानत के बाद सीबीआई की कार्रवाई को 'इंश्योरेंस गिरफ्तारी' बताया, कोर्ट में दी दलील

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। अरविंद केजरीवाल ने दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। एक याचिका में केजरीवाल ने सीबीआई द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है। वहीं दूसरी याचिका में केजरीवाल ने जमानत देने की अपील की है। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

शुरू हो गई है। दिल्ली शराब नीति घोटाले में जेल में बंद केजरीवाल ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए सुप्रीम कोर्ट में जमानत याचिका दायर की थी। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस उज्जल भुइयां की पीठ दिल्ली सीएम की जमानत याचिका पर सुनवाई कर रही है। वहीं वरिष्ठ वकील अभिषेक मनु सिंघवी, केजरीवाल का पक्ष रख रहे हैं। जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान केजरीवाल के वकील अभिषेक मनु सिंघवी ने दलील दी कि 'सीबीआई ने आबकारी नीति मामले में जो एफआईआर दर्ज की है, उसमें केजरीवाल का नाम नहीं है। साथ ही केजरीवाल को बीते दिनों अंतरिम जमानत देते हुए भी सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि दिल्ली सीएम समाज के लिए खतरा नहीं हैं।' सिंघवी ने ये भी कहा कि दो बार सुप्रीम कोर्ट और एक बार ट्रायल कोर्ट केजरीवाल को जमानत पर रिहा करने का आदेश दे चुका है। सिंघवी के अनुसार, एक बार सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल को चुनाव प्रचार के लिए जमानत पर रिहा किया था और एक बार ईडी के मनी लॉन्ड्रिंग मामले में भी केजरीवाल को जमानत मिल चुकी है। सिंघवी ने दलील दी कि केजरीवाल एक संवैधानिक पद पर हैं और समाज के लिए खतरा नहीं हैं। उन्होंने कहा कि 'सीबीआई ने दो वर्षों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई थी, लेकिन फिर बीती 26 जून को केजरीवाल को गिरफ्तार कर लिया गया। केजरीवाल की गिरफ्तारी एक तरह से इंश्योरेंस गिरफ्तारी थी।' सुप्रीम कोर्ट ने केजरीवाल की जमानत पर 23 अगस्त को सीबीआई से हलफनामा देने को कहा था। साथ ही केजरीवाल को दो दिनों के भीतर सीबीआई के हलफनामे पर जवाब देने का निर्देश दिया था। अरविंद केजरीवाल ने दो अलग-अलग याचिकाएं दायर की हैं, जिन पर सुप्रीम कोर्ट सुनवाई कर रहा है। एक याचिका में केजरीवाल ने सीबीआई द्वारा अपनी गिरफ्तारी को चुनौती दी है।

श्रमिक आय में गिरावट से बढ़ती असमानता टिकाऊ विकास लक्ष्यों पर भी जोखिम

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। कुल वैश्विक आय में मामूली नजर आने वाली यह गिरावट वार्षिक स्तर पर 2,400 अरब डॉलर की कमी को दर्शाती है। इसमें से लगभग 40 फीसदी गिरावट कोविड-19 महामारी के दौरान तीन वर्षों श्रमिकों को मिलने वाले हिस्से में गिरावट आ रही है। इसका अर्थ यह है कि बढ़ती वैश्विक अर्थव्यवस्था में कामगार अपना योगदान दे रहे है, लेकिन उन्हें इस आर्थिक वृद्धि का अपेक्षाकृत छोटा हिस्सा ही मिल पा रहा है। इसे

2020 से 2022 में हुई। विश्व की अग्रणी औद्योगिक अर्थव्यवस्थाओं में श्रमिक आय में दर्ज की जा रही गिरावट की एक बड़ी वजह कार्यस्थलों पर स्वचालन और कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) जैसे टैकनेलॉजी के इस्तेमाल के कारण आए बदलाव हो सकती है। यूएन श्रम एजेंसी की उपमहानिदेशक सेलेस्ते ड्रेक ने बताया कि वैश्विक श्रमिक आय का हिस्सा यानी कुल वैश्विक आय का बदले जाने की आवश्यकता है, चूंकि इससे असमानता बढ़ रही है, जिसका कामकाजी लोगों पर गैर-आनुपातिक असर होगा। अंतरराष्ट्रीय श्रम संगठन ने नामक अपने अपडेट में 36 देशों से प्राप्त डेटा का विश्लेषण किया है। यह दर्शाता है कि विश्व भर में कुल आय में 2019 और 2022 के दौरान 0.6 प्रतिशत अंकों की गिरावट आई है और उसके बाद से यह सपाट बनी हुई है।कुल वैश्विक आय में मामूली नजर आने वाली यह गिरावट वार्षिक स्तर पर 2,400 अरब डॉलर की कमी को दर्शाती है। इसमें से लगभग 40 फीसदी गिरावट कोविड-19 महामारी के दौरान तीन वर्षों 2020 से 2022 में हुई यूएन एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, पिछले दो दशकों में उत्पादन बढ़ा है, मगर उसी रफ्तार से आय में प्रगति नहीं हुई है। 2004 से 2024 के दौरान कामगारों के प्रति घंटा उत्पादन में विश्व भर में 58 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है। में डेटा व विश्लेषण इकाई के प्रमुख स्टीवन कैपसोस ने इसे एक बेहद सकारात्मक रुझान करार देते हुए कहा कि यह उत्पादन का एक बड़ा स्तर है, लेकिन इसी अवधि में आय में केवल 53 प्रतिशत की ही वृद्धि हुई। यानी इस अवधि में उत्पादकता में हुई बढ़ोत्तरी और श्रमिक आय में हुई वृद्धि के बीच 5 प्रतिशत अंकों की खाई है, और श्रमिक आय की हिस्सेदारी में गिरावट के लिए यह जिम्मेदार है। इस पृष्ठभूमि में, वैश्विक रोज़गार व सामाजिक स्थिति पर यूएन एजेंसी की रिपोर्ट दर्शाती है कि सरकारों द्वारा नीतिगत उपायों के अभाव में, जनरेटिव कृत्रिम बुद्धिमता का इस्तेमाल बढ़ने से आय में और अधिक ढलान नजर आ सकती है। स्टीवन कैपसोस के अनुसार, देशों की सरकारों के लिए यह ज़रूरी होगा।

मणिपुर में ग्रामीण ने सुनाई आपबीती कहा- दिन में भी घर में लग रहा डर

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में रविवार को कोउत्रुक गांव में पहली बार ड्रोन का हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया है। इस हो गए हैं। इतना ही नहीं कई लोग तो पेड़ो के नीचे शरण लिए हुए हैं। सेनजाम चिरांग के रहने वाले वाथम गंभीर ने अपना दर्द बयां करते हुए बताया कि जब ड्रोन से हमला किया

हमले में बंदूकों का भी इस्तेमाल किया गया था। बीते डेढ़ साल से मणिपुर में हिंसा जारी है। कुकी और मैतेई समुदाय के बीच जारी हिंसा फिलहाल थमती नहीं दिख रही है। शांति बहाली के लिए केंद्र और राज्य द्वारा की जा रही कोशिशें बेकार हो रही हैं। इस बीच, एक सितंबर को पश्चिमी इंफाल के कोत्रूक में कुकी उग्रवादियों ने हथियारबंद ड्रोन का इस्तेमाल कर आरपीजी यानी रॉकेट प्रोपैल्ड गन अटैक किया। यह चौंकाने के साथ ही चिंताजनक है। ड्रोन से हुए ताजा हमलों के कारण लोगों को अपने घर छोड़ने पड़े हैं। मणिपुर के सेनजाम चिरांग में कई ग्रामीण सामुदायिक केंद्रो में रहने पर मजबूर गया तो पहला बम उनके ही घर पर गिरा। इस हमले में उनकी बेटी घायल हो गई। इसके कुछ देर बाद ही उनके घर पर आसमान से एक के बाद एक दो बम गिरे।गंभीर ने बताया कि दूसरे बम के हमले में मैं और मेरा बेटा घायल हो गए। उन्होंने बताया कि बमों के इन हमलों से उनका घर तबाह हो गया। इसके बाद मजबूरी में उन्हें भागकर एक पेड़ के नीचे शरण लेनी पड़ी। गंभीर ने बताया कि रविवार को उन्होंने ड्रोन की आवाज सुनी थी। इसके बाद हमने यह भी सुना कि कोउत्रुक पर बम गिराए गए हैं। इसके अगले ही दिन हमारे गांव को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि शुरुआत में हमें लगा कि ड्रोन की आवाज आवासीय इलाकों की जांच कर रहे ड्रोन की है। लेकिन कुछ देर बाद ही जोरदार धमाके की आवाज आई। गंभीर ने बताया कि जब हमले हो रहे थे तब बचने के लिए हम लगभग 50 मीटर दूर एक पेड़ की ओर भागे,ताकि छिप कर हम अपनी जान बचा सकें लेकिन ड्रोन ने हमारा पीछा किया और वहां भी बम से हमला किया। हम फिर से भागने लगे, लेकिन बम के प्रभाव में हम आगे की ओर उछल गए और घायल हो गए। वहीं, गांव के स्वयंसेवक नाओबा सिंह ने अपनी चिंता जाहिर करते हुए संदेह जताया कि रात में इस्तेमाल किए जा सकने वाले हाई-टेक ड्रोन देश के बाहर से लाए गए हैं। वहीं, एक अन्य ग्रामीण डब्लूयू इनाओ ने कहा कि यहां हम सब डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि लोग दिन में भी घर पर रहने से घबरा रहे हैं। इसलिए करीब 10 परिवारों ने पास के सामुदायिक हॉल में शरण ली है। गौरतलब है कि हिंसाग्रस्त राज्य मणिपुर में रविवार को कोउत्रुक गांव में पहली बार ड्रोन का हथियार की तरह इस्तेमाल किया गया है। इस हमले में बंदूकों का भी इस्तेमाल किया गया था। इसमें दो लोगों की मौत हुई साथ ही नौ अन्य लोग घायल हो गए। इसके अगले ही दिन कोउत्रुक से करीब तीन किलोमीटर दूर सेनजाम चिरांग में फिर से ड्रोन का इस्तेमाल किया गया।

न्याय दिलाने के लिए सड़कों पर उतरीं महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार; एक शख्स को पीटा भी गया

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। प्रदर्शनकारी महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने को लेकर कोलकाता के अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया। वहीं, उत्तर बंगाल के माथाभांगा शहर में एक प्रदर्शनकारी पर हमला करने का मामला सामने आया। पश्चिम बंगाल में एक प्रशिक्षु डॉक्टर से कथित दुष्कर्म और उसकी हत्या के विरोध में देशभर नाराजगी है। वहीं राज्य में हंगामा जारी है। तनाव भरे हालात बने हुए है। इन सबके बीच यहां

हजारों महिलाओं ने 'रिक्लेम द नाइट' अभियान के दूसरे चरण के तहत आधी रात को मार्च निकाला। यह लोग पीडि़ता के परिवार को न्याय दिलाने की मांग कर रहे हैं। 14 अगस्त के बाद बुधवार रात को चलाए गए इस दूसरे अभियान के दौरान छिटपुट घटनाएं देखने को मिलीं। प्रदर्शनकारी महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार करने को लेकर कोलकाता के अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने दो लोगों को हिरासत में लिया। वहीं, उत्तर बंगाल के माथाभांगा शहर में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के सदस्यों द्वारा कथित तौर पर एक प्रदर्शनकारी पर हमला करने का मामला सामने आया। रिक्लेम द नाइट आंदोलन सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। लोग इस पर अपनी प्रतिक्रिया दे रहें हैं। विरोध-प्रदर्शन रात साढ़े 11 बजे शुरू हुआ। रैली के नारों से छोटे कस्बों से लेकर बड़े शहरों तक गूंज रहा था। लोगों का कहना था कि हम न्याय चाहते हैं। हालांकि, इस अभियान से राजनीति दलों से जुड़े झंडे गायब दिखे। वहीं, प्रदर्शनकारियों को राष्ट्रीय झंडे को ऊपर रखते हुए देखा गया था। इससे साफ था कि सब न्याय की लड़ाई के लिए एकजुट थे। कोलकाता और उसके आसपास अलग-अलग स्थानों पर सभी क्षेत्रों की महिलाओं (अभिनेताओं, छात्रों, पेशेवरों और गृहणियों) ने पोस्टर और मोमबत्तियां लेकर एक साथ मार्च किया। उनकी आवाजें एक महिला डॉक्टर के साथ भयावह घटना के विरोध में उठ रही थीं। शहर के सियालदह स्टेशन से निकाले गए मार्च में फुटपाथ पर रहने वाले लोग शामिल हुए, जिसमें कुछ महिलाओं ने शंख बजाया। इसके अलावा, आंदोलन बरहामपुर, चिनसुराह, शांतिनिकेतन, कृष्णानगर, बर्धमान, सिलीगुड़ी, बारासात, बैरकपुर, राजारहाट-न्यूटाउन, कूच बिहार, माथाभांगा और जलपाईगुड़ी सहित विभिनन्न जिला कस्बों के अन्य प्रमुख स्थानों पर भी चलाया गया। हालांकि, आंदोलन में कुछ छिटपुट घटनाएं हुईं।

तेलंगाना में पुलिस और माओवादियों के बीच मुठभेड़; छह नक्सली ढेर, दो सुरक्षाकर्मी घायल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। तेलंगाना के भद्राद्री कोठागुडेम जिले में आज सुबह पुलिस और माओवादियों के बीच

मुठभेड़ हुई। इस दौरान छह नक्सलियों के मारे जाने की खबर है। भद्राद्री कोठागुडेम जिला पुलिस अधीक्षक रोहित राज ने बताया कि पुलिस के साथ मुठभेड़ में छह नक्सली मारे गए। दो सुरक्षाकर्मी घायल हुए हैं, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। उनका इलाज चल रहा है।

भारत में बैठकर बांग्लादेश पर राजनीतिक टिप्पणियां न करें हसीना'; नई दिल्ली से संबंधों पर भी बोले यूनुस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। यूनुस का यह बयान 13 अगस्त को शेख हसीना दनरा नसीहत दी है। उन्होंने कहा है कि पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना भारत में बैठकर जिस प्रकार की

दिए गए बयान के संदर्भ में आया है। दरअसल, 13 अगस्त को शेख हसीना ने न्याय की मांग करते हुए कहा था कि हाल में बांग्लादेश में हुए आतंकवादी कृत्यों, हत्याओं और बर्बरता में शामिल लोगों की जांच की जानी चाहिए। उनकी पहचान करके उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को राजनीतिक टिप्पणियां कर रही हैं वह उचित नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक बांग्लादेश उनके प्रत्यर्पण के लिए भारत से वार्ता नहीं करता है, तब तक उन्हें अपना मुंह बंद ही रखना चाहिए, ताकि दोनों देशों के संबंध पूर्व की भांति ही बने रहें। मोहम्मद यूनुस ने कहा कि हसीना का भारत की ओर से राजनीतिक टिप्पणी करना एक 'अमित्रतापूर्ण संकेत' है। भारत के पड़ोसी मुल्क में आरक्षण को लेकर हुआ देशव्यापी हिंसा के बाद बनी अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस ने समाचार एजेंसी पीटीआई को दिए एक साक्षात्कार में ये बात कही है। इसके साथ ही उन्होंने भारत और बांग्लादेश के बीच संबंधों से तनाव को खत्म करने और उन्हें और बेहतर बनाने के लिए साथ मिलकर काम करने की जरूरत पर भी जोर दिया। इंटरव्यू के दौरान उन्होंने कहा कि बांग्लादेश भारत के साथ मजबूत संबंधों को महत्व देता है, लेकिन भारत को अपनी उस सोच से बाहर निकलना होगा कि शेख हसीना के बिना बांग्लादेश की स्थिति अफगानिस्तान की तरह हो जाएगी। साथ ही उसे अवामी लीग को छोड़कर शेष अन्य राजनीतिक दलों को इस्लामिक के रूप में चित्रित करना भी बंद करना चाहिए। मोहम्मद यूनुस ने शेख हसीना को नसीहत देते हुए आगे कहा कि भारत में भी उनके रुख से कोई भी सहज नहीं है। वह भारत में हैं और कुछ ऐसे बयान देती हैं जो कि समस्या पैदा करते हैं। भारत में बैठकर वह बोल रही हैं और निर्देश दे रही हैं। यह किसी को रास नहीं आ रहा। उन्होंने आगे कहा कि अगर भारत उसे तब तक अपने पास रखना चाहता है जब तक बांग्लादेश (सरकार) उन्हें वापस नहीं चाहती, तो शर्त यह होगी कि उनको चुप रहना होगा। यूनुस का यह बयान 13 अगस्त को शेख हसीना दनरा दिए गए बयान के संदर्भ में आया है। दरअसल, 13 अगस्त को शेख हसीना ने न्याय की मांग करते हुए कहा था कि हाल में बांग्लादेश में हुए आतंकवादी कृत्यों, हत्याओं और बर्बरता में शामिल लोगों की जांच की जानी चाहिए। उनकी पहचान करके उन्हें दंडित किया जाना चाहिए। इस दौरान जब यूनुस से यह पूछा गया कि क्या बांग्लादेश ने भारत को अपना रुख बता दिया है? इस पर उन्होंने कहा कि हर कोई इसे समझता है। हमने काफी दृढ़ता से कहा है कि उन्हें चुप रहना चाहिए। उन्हें वहां आश्रय दिया गया है और वह वहीं से चुनाव प्रचार कर रही हैं। ऐसा नहीं है कि वह वहां सामान्य तौर पर गई हैं। लोगों के विद्रोह और जनता के गुस्से के बाद वह भाग कर गई हैं। यूनुस ने आगे कहा कि अंतरिम सरकार बांग्लादेश के लोगों के लिए न्याय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। इसके लिए जरूरी है कि उन्हें देश में वापस लाया जाए। यहां सबके सामने मुकदमा चलाया जाना चाहिए।

एयर इंडिया के विमान की एहतियातन मॉस्को में लैंडिंग कराई गई, जाच के बाद ब्रिमिंघम के लिए उड़ान भरी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मामले से जुड़े एक अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध तकनीकी समस्याओं के कारण कर दिया गया। विमान गुरुवार सुबह ब्रिमिंघम में उतरा। बोइंग 787 विमान एआई 113 उड़ान का संचालन कर रहा था। हालांकि,

विमान ने मॉस्को के शेरेमेत्येवो हवाई अड्डे पर एहतियातन लैंडिंग की। जांच के बाद विमान ब्रिमिंघम के लिए उड़ान भरी। दिल्ली से ब्रिमिंघम जा रहे एयर इंडिया के एक विमान को बुधवार को मॉस्को में उतारना पड़ा। तकनीकी गड़बड़ी की आशंका की वजह से यह एहतियातन लैंडिंग कराई गई। मामले से जुड़े अधिकारी ने बताया कि जरूरी जांच के बाद विमान ने मॉस्को के लिए रवाना एयर इंडिया की ओर से कोई आधिकारिक बयान नहीं आया। अधिकारी ने बताया कि संदिग्ध तकनीकी समस्याओं के कारण विमान ने मॉस्को के शेरेमेत्येवो हवाई अड्डे पर एहतियातन लैंडिंग की। जांच के बाद विमान ब्रिमिंघम के लिए उड़ान भरी। विमान में यात्रियों की संख्या के बारे में फिलहाल जानकारी नहीं मिल सकी है।

श्रीलंका से सात भारतीय मछुआरे रिहा; 23 जुलाई को सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में किया था गिरफ्तार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
नई दिल्ली। मामले में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र को बताया था कि राज्य के आठ और मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया है। उन्होंने ऐसी गिरफ्तारियों पर

चिंता व्यक्त की थी। यह एक सप्ताह के अंदर यह दूसरी ऐसी घटना थी। इससे पहले 23 अगस्त को श्रीलंकाई नौसेना ने कथित समुद्री सीमा उल्लंघन के लिए 11 भारतीय मछुआरों को पकड़ा था। श्रीलंका से सात भारतीय मछुआरों को रिहा कर दिया गया है। दरअसल, रामेश्वरम के सात मछुआरों को 23 जुलाई को श्रीलंकाई नौसेना ने सीमा पार मछली पकड़ने के आरोप में गिरफ्तार किया गया था। वे चेनन्ई हवाई अड्डे पर पहुंच गए हैं। इससे पहले 27 अगस्त को श्रीलंका की नौसेना ने भारतीय नाव को पकड़ लिया था। इस दौरान आठ चालक दल के सदस्यों को भी पकड़ा गया था। रामेश्वरम मत्स्य पालन के सहायक निदेशक ने बताया कि कल रामेश्वरम से 430 मशीनी नावें मछली पकड़ने के लिए समुद्र में उतरीं। इनमें से एक नाव को आठ चालक दल के सदस्यों सहित श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया। इस साल श्रीलंका 341 भारतीयों को गिरफ्तार कर चुका है। वहीं, 45 से ज्यादा ट्रॉलर्स की जब्ती भी की गई है।मामले में मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने केंद्र को बताया था कि राज्य के आठ और मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना ने पकड़ लिया है।

मिर्ज़ापुर सोनभद्र

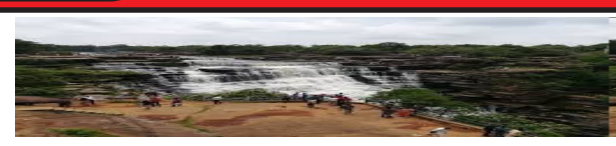

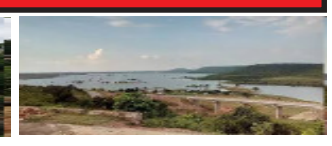

पीडित शोषितो का चौथे दिन भी धरना प्रदर्शन रहा जारी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। शासन प्रशासन एवं अन्य अधिकारीयों द्वारा विधि का पालन न करने और ठगी पीड़ितों का भुगतान न करने के विरुद्ध एक सितम्बर 2024 से ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार तपजप संगठन ने सरकार के विरुद्ध अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन की घोषणा की और अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री को ज्ञापन देने के लिए धरने पर बैठे है अनिश्चितकालीन असहयोग आंदोलन तीसरे दिन भी जारी रहा. भुगतान करो या सत्ता छोडो के गगनभेदी नारों के साथ ठगी पीड़ितों ने कलेक्ट्रेट तक जुलूस निकाला और अपने डूबे हुए धन को वापस करने की मांग की. उल्लेखनीय है कि संसद ने सर्वसम्मति से वर्ष 2019 में अनियमित जमा योजनायें पाबंदी क़ानून 2019 (बैनिंग ऑफ अनरेग्युलेट डिपॉजिट स्कीम्स एक्ट 2019) बनाकर ठग कम्पनीज एवं ठग सोसाइटीज में डूबी हुई जमा राशि को पीड़ित आवेदक को 180 दिन में जमाराशि के दो से तीन गुणा वापस दिलाने का कानूनी अधिकार दिया था. अनियमित जमा योजनाएं पाबन्दी अधिनियम 2019 के अंतर्गत देश के प्रत्येक जिले में में पीड़ित आवेदकों से आवेदन लेने और उनका भुगतान करने हेतु भुगतान पटल की स्थापना कागजों में कानून में हुई थी, अनियमित जमा और नियमित जमा योजनाओं में जनता के जमाधन की वापसी हेतु संसद और सरकार ने देशभर में विशेष न्यायालय सक्षम अधिकारी सहायक सक्षम अधिकारी और अन्य नोडल एजेंसीज का चयन एवं नियुक्ति की थी और कानून बनाकर जनता को यह विश्वास दिलाया था कि सरकार उनका डूबा हुआ ठगा गया धन वापस करेंगी और दोषी संचालको को दण्डित करेंगी, समयबद्ध कानून के लागू होने के 5 वर्ष बीत जाने के बावजूद भी बहुत से राज्यों एवं जिलों में संघ या राज्यों ने के अंतर्गत पीड़ितों से न आवेदन आमंत्रित किए न आवेदन लेने के बाद उनका धन विधिसम्मत रूप से वापस किया जो करोड़ों नागरिकों के साथ अन्याय है और इसका प्रतिकार करना हमारा धर्म है अधिकार है. यह स्थाई अधिनियम है और इसके अंतर्गत नियुक्त सक्षम या सहायक सक्षम अधिकारी को स्थाई रूप से सुनवाई करनी है जो पांच वर्ष में अभी तक आरम्भ ही नहीं हुई है, लाखों आवेदनों पर आजतक नोटिस तक जारी नहीं किये गए हैं, अनेक राज्यों जिलों एवं तहसीलों में अभी तक भुगतान पटलों की स्थापना तक नहीं हुई है और बेईमान सिस्टम एक व्यापक अधिनियम की अवहेलना करते हुए गैरकानूनी रूप से सहारा सीआरसी सेबी पर्ल्स जैसे पोर्टल खोलने का झाँसा देकर ऍेंटू2019 को ख़त्म करने की साजिश रच रहा है. भुगतान न होने के कारण निवेशक और कथित एजेंट साथियों में आपसी तनाव बना हुआ है, गुस्साये निवेशक निर्दोष एजेंट्स की गोली मारकर हत्या तक कर रहे हैं जिससे करोड़ों एजेंट्स और निवेशकों के मध्य ग्रहयुद्ध जैसा छिड़ गया है जो निश्चित रूप से शासन प्रशासन की लापरवाही और विधि एवं संसद का अपमान है. यदि शासन प्रशासन ने कानून पर विधि पूर्वक कार्य आरंभ किया होता तो अबतक सभी पीड़ितों का भुगतान हो गया होता और लाखों निवेशक प्रताड़ित एजेंट्स मौत के मुंह में जाने और पलायन एवं उत्पीड़न से बचाये जा सकते थे. आम चुनाव 2024 के दौरान स्वयम् प्रधानमंत्री जी ने अनेक जनसभाओं में ठगी पीड़ितों का धन वापस करने का वचन देश को दिया था जिसे अब भुला दिया गया है। हमारे जिला तहसील नगर गाँवों में लाखों ठगी पीड़ित हैं जिनकी परिश्रम से प्राप्त पूँजी सरकारी एजेंसीज और ठगों के पास फंसी है ज़ो बार बार आवेदन करने के पश्चात भी जिला प्रशासन व सक्षम अधिकारी वापस नहीं कर रहे जिस वजह से लाखों परिवारों के समक्ष भूखों मरने की भी स्थिति बन गई है. आंदोलनकारी संगठन ने सरकार से मांग करते हुए कहा है कि लोकतंत्र के मंदिर संसद सरकार और कानून की गरिमा को बचाने के लिए हमारे क्षेत्र में उपरोक्त कानून के अंतर्गत भुगतान शिविर लगवाकर ठगी पीड़ितों की जमाराशि का भुगतान अविलम्ब कराएं और दोषी अधिकारियों को दण्डित करवाकर उनके मन में कानून के प्रति सम्मान करने की भावना पैदा करें ताकि देश में विधि के विरुद्ध काम करने वाले बेईमान अधिकारीयों में कानून का शासन का संसद का भय बना रहे. ठगी पीड़ितों का भुगतान, क्षतिपूर्ति और निर्दोष एजेंट्स को सुरक्षा सम्मान न्याय अविलम्ब सुनिश्चित करवाने और दोषी अधिकारियों एवं ठगों के विरुद्ध सख्त कानूनी कारवाई करवाने के लिए ठगी पीड़ित जमाकर्ता परिवार, निवेशक और अभिकर्ता बीते 01, सितंबर 2024 सुबह दस बजे से अपने जिला कलेक्ट्रेट, सचिवालय, तहसील और पुलिस थाना समेत सम्पूर्ण देश में बेईमान सिस्टम के विरुद्ध अहिंसक शांतिपूर्ण अनष्ठ।

पैसे के दम पर चल रहे है अवैध हास्पिटल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। स्वास्थ्य विभाग के आड़ में सब ज़ायज है ।बाकायदा बिल्डिंग का नक्शा पास करा कर अगिन्शमन विभाग द्वारा ́ष्ण् प्राप्त करने के बाद कई सारे दस्तावेजों को तैयार करना पड़ता है। लेकिन यहां तो मानकों के विपरीत एक छोटे से कमरे में कुछ डॉक्टर्स के नाम पर पूरे अस्पताल का संचालन किया जाता है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से साठगांठ बनाकर सैकड़ो अस्पताल संचालित किए जा रहे हैं जनपद में फर्जी अस्पतालों के खिलाफ लगातार छोटी-बड़ी शिकायतें होती रहती हैं, लेकिन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी जांच करने के नाम पर मामले को दबा देते हैं और कोई कार्रवाई नहीं होती है। पहले भी कई समाजसेवियों ने गरीब और लाचार से धनउगाई कर उनके जान के साथ खिलवाड़ करने वाले ऐसे तमाम अवैध अस्पतालों के खिलाफ मोर्चा खोला था। लेकिन जब रक्षक ही भक्षक बन बैठे तो लोगों को इंसाफ कहां से मिलेगा। स्वास्थ्य विभाग के आला अधिकारियों ने मामलों को दबा दिया जाता है। ऐसा भी नहीं है कि जनपद में अवैध अस्पतालों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं होती है। वर्ष के शुरुआती दिनों में नगर क्षेत्र स्थित कई अवैध अस्पतालों पर जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त टीम द्वारा कार्रवाई करते हुए कुछ अस्पतालों को सील कर दिया गया था। लेकिन कुछ दिनों बाद ही अस्पताल संचालकों ने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों से साठगांठ स्थापित कर पुनः अस्पतालों का संचालन शुरू कर दिया। इतने बड़े पैमाने पर पत्राचार होने के बाद से स्वास्थ्य विभाग द्वारा गलत रिपोर्ट लगाकर कोरम पूरा कर लिया जाता हैं।आप को बता दे कि मुख्यालय छपका से लेकर नगर तक 25 से 30 हॉस्पिटल संचालित हो रहे है जिसपर स्वास्थ्य विभाग का हाथ रखा गया हैं।जिसमे सूत्रों की माने तो ना पंजीयन हॉस्पिटल सिस्टम के आधार पर चलते हैं ना कोई डॉक्टर ना कोई नर्स हो जाता है सिजेरियन। कहा गया है कि सईया भये कोतवाल तो डर काहेका।

गांजे बाजे के साथ श्री गणेश प्रतिमा का हुआ स्थापना

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। घोरावल तहसील में स्थित गावकुंडा गांव में विगत वर्षों के भांति इस वर्ष भी श्री गणेश चतुर्थी सेवा समिति के सकुशल आयोजन में देवाधिदेव महादेव एवं प्रथम पूज्य देव भगवान गणेश जी के प्रतिमा का स्थापना कर ग्रावासियो एवं क्षेत्रवासियो द्वारा पूजा पाठ और आरती किया गया प्राप्त जानकारी के अनुसार गणेश चतुर्थी महापर्व पर 4 वर्षो से गणेश चतुर्थी सेवा समिति द्वारा मूर्ति स्थापित कर विधि विधान पूर्वक इस पर्व को मानने कि तैयारी चल रही हैं एसे भारत वर्ष भर में इस महापर्व को भक्तो द्वारा बहुत धुम धाम से मनाया जाता हैं मान्यता है कि गणेश चतुर्थी के दिन भगवान गणेश जी का पूजा पाठ करने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं और कष्ट दूर होता है किसी भी वैदिक ,धार्मिक,आध्यात्मिक, सांस्कृतिक,पौराणिक कार्य को शुरू करने से पूर्व स्वास्थिवाचन ,सहस्त्र शीर्षा देवः आदि श्लोकों के माध्यम से भगवान गणेश जी से किसी भी पूजा या कार्य को सिद्ध होने के लिए प्रार्थना करने का प्राविधान हैं जिसके फलस्वरूप कोई भी यज्ञ या पूजा पाठ पूरा होता है ऐसे कई तर्को पर शास्त्र सम्मत गणेश जी को प्रथम पूज्य देव कहा गया है गणेश चतुर्थी सेवा समिति के तत्वाधान में चल रहे कार्यक्रम कि सरहना पूजा पाठ में पधारे हुए सभी भक्तो द्वारा किया जा रहा हैं और अपना सहयोग भी दे रहे हैं क्षेत्रवासियो द्वारा बढ़ चढ़ के भाग भी लिया जा रहा है आज के गणेश पूजन में बब्बू,विनीत ,अमित,निशु,रमेश, राजेंद्र, रामललित यादव समेत आदि क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

टैक्स अधिवक्ताओं ने किया कार्य बहिष्कार

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।जी एस टी अपीलीय न्यायालय में जी एस टी प्रदेश मुख्यालय एवम प्रशासन द्वारा अनावश्यक विधि विरुद्ध हस्तक्षेप करके बिना समुचित प्रक्रिया के अपीलीय वादों को 30 सितंबर तक निस्तारण करने के आदेश के विरोध में दी सोनभद्र टैक्स बार एसोसिएशन सोनभद्र के अधिवक्ताओ ने जी एस टी के सभी न्यायालयो/ कार्यालयो का आज पूर्ण बहिष्कार करते हुए कार्य से विरत रहे। कर अधिवक्ताओं का प्रदेश संगठन उत्तर प्रदेश कर अधिवक्ता संगठन ने इस हेतु प्रदेश के कर अधिवक्ताओं से आज कार्य बहिष्कार का आह्वान किया था।जिसके अनुपालन में बार के अध्यक्ष राजेश देव पांडेय ने आज बार की एक आकस्मिक बैठक राज्य एवम सेवा कर कार्यालय सोनभद्र में आहूत कर इस ज्वलंत विषय पर कर अधिवक्ताओं से गहन विचार विमर्श के उपरांत सर्व सम्मति से यह प्रस्ताव पारित किया कि जी एस टी प्रदेश मुख्यालय एवम प्रशासन के अपीलीय न्यायालय हेतु जारी तानाशाही आदेश के विरुद्ध आज कार्य से विरत रहेंगे। बैठक के उपरांत पारित प्रस्ताव/ ज्ञापन जी एस टी कार्यालय सोनभद्र के उच्चाधिकारियों को बार के अध्यक्ष ने बार के सदस्यों के साथ दिया। बैठक का संचालन बार के सह सचिव प्रदीप धर ने किया। बैठक में मुख्य रूप से उमापति पांडेय, सुरेंद्र केशरी, विजय जायसवाल, जनार्दन पांडेय, विवेकानंद पांडेय, राकेश शरण मिश्र, नवीन पांडेय, महेश पांडेय सहित दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित थे।

हत्या के छह दोषियों को उम्रकैद

27-27 हजार रूपये अर्थदंड, न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सात वर्ष पूर्व कुल्हाड़ी, लाठी डंडे से मारकर हुए राम केवल हत्याकांड के मामले में बुधवार को सुनवाई करते हुए अपर सत्र न्यायाधीश प्रथम जीतेंद्र कुमार द्विवेदी की अदालत ने दोषसिद्ध पाकर दोषियों शंभू धांगर,विनोद धांगर, अच्छेलाल धांगर, धरमू धांगर, जय सिंह चेरो व विजय चेरो को उम्रकैद व 27-27 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक शंकर धांगर पुत्र राम केवल निवासी ग्राम दरमा , थाना रामपुर बरकोनिया, जिला सोनभद्र ने 11 जुलाई 2017 को रामपुर बरकोनिया थाने में दी तहरीर में अवगत कराया था कि 11 जुलाई 2017 को सुबह 10 बजे उसके पिता राम केवलजंगल में गाय बैल मवेशियों को चरा रहे थे। उसकी चाची शांति देवी वहीं घर के सामने पत्थर पर बैठी थी। उसी समय उसकी पतने सितारा देवी और उसकी मां धन्वंतरि देवी उसके बच्चे की फीस के लिए रिश्तेदारी में डोमारिया जा रही थी। उसी समय अभियुक्तगण शंभू धांगर, विनोद धांगर पुत्रगण बब्बन धांगर, अच्छेलाल धांगर पुत्र जमदार धांगर, धरमू धांगर पुत्र लक्षन धांगर, जय सिंह चेरो व विजय चेरो पुत्रगण रामजनम चेरो निवासीगण ग्राम दरमा, थाना रामपुर बरकोनिया, जिला सोनभद्र एकराय होकर आए और उसके पिता राम केवल को घेरकर कुल्हाड़ी व लाठी डंडे से बहुत बेरहमी से मारने पीटने लगे। उसकी चाची, पतने, मां ने शोर करते हुए बीच बचाव करने लगे तो अभियुक्तगण गाली देते हुए जंगल की ओर भाग गए। जब मौके पर जाकर देखा तो उसके पिता राम केवल की मौत हो गई थी।शंभू और विनोद कुल्हाड़ी लिए हुए थे, जबकि अन्य अभियुक्त लाठी डंडे लिए थे।यह घटना पटना टोला गांडूडीह की है। आवश्यक कार्रवाई की जाए। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज किया। मामले की विवेचना करते हुए विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर कोर्ट ने दोषसिद्ध पाकर दोषियों शंभू धांगर विनोद धांगर, अच्छेलाल, धरमू धांगर, जय सिंह चेरो व विजय चेरो को उम्रकैद व 27-27 हजार रूपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 4-4 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित की जाएगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील विनोद कुमार पाठक ने बहस की।

74 बिछड़े दम्पत्तियों केटूटे परिवार हुए एक डीआईजी आर पी सिंह

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।डीआईजी आर पी सिंह ने बताया कि शासन द्वारा चलाये जा रहे मिशन शक्ति नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वावलम्बन के क्रम में जनपदों में स्थापित वैवाहिक विवादों में मध्यस्थता हेतु उपलब्ध करायी जा रही सेवाओं के अनुश्रवण का कार्य महिला परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा किया जा रहा है । इसी के क्रम में परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा माह अगस्त में आये हुए दम्पत्तियों की पारिवारिक संबंधी प्रकरणों में उनकी काउंसलिंग की गयी तथा पति-पतने को आपस में विवाद को खत्म कर सुलह-समझौता कराते हुए साथ में रहने की प्रेरणा दी गयी, जिससे दोनों जोड़े राजी-खुशी के साथ में रहने हेतु तैयार हो गये । माह अगस्त में जनपद मीरजापुर में कुल- 14, जनपद सोनभद्र में कुल- 38 तथा जनपद भदोही में कुल- 22 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया । इस प्रकार परिवार परामर्श केन्द्र द्वारा अथक प्रयास कर परिक्षेत्र स्तर पर कुल- 74 बिछड़े दम्पत्तियों को मिलाया गया । पुलिस उपमहानिरीक्षक विन्ध्याचल परिक्षेत्र, मीरजापुर के निर्देशन में रेंज के तीनों जनपदों में परिवार परामर्श केन्द्र मे महिला पुलिस व समाज सेवीजनों द्वारा प्रतिदिन अनेको दम्पत्तियों की काउंसलिंग की जा रही है । उनके आपसी मतभेदों को दूर कर आपस मे मिलवाया जा रहा है, जिससे कि उनकी जिन्दगी में दोबारा संतुलन आ सके ।

आकाशीय बिजली की चपेट में आने से युवति की मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। चुर्क चौकी क्षेत्र में बुधवार देर शाम चमक गरज के साथ हुई बरसात में आकाशीय बिजली की चपेट में आने से 21 वषिऱ्य युवती की हुई मौत। प्राप्त जानकारी अनुसार बुधवार की देर शाम वार्ड नंबर 4 सहिजन कला में युवती अपने घर के पास स्थित खेत में धान की सोहनी करने पहुंची युवती आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई महिला के चीखने पर जब तक परिजन मौके पर पहुंचे उसकी मौत हो गई थी। इस घटना की जानकारी जैसे ही ग्रामीणों व शुभ चिन्तकों को हुई दिवंगत युवती के घर भारी भीड़ जुट गई सहिजन कला गांव निवासी महादेव उर्फ मोली पटेल किसान हैं। शाम दो बजे के लगभग गरज चमक के साथ बूंदाबांदी शुरू हुई तो महादेव की 21 वर्षीय पुत्री मनीषा घर के सामने खेत मे अपने खेत में धान की सोहनी कर रही थी खेत में पहुंचते ही तेज गर्जना के साथ आकाशीय बिजली गिरी तो मनीषा बेहोश होकर जमीन पर गिर पड़ीं। परिजन उसे इलाज के लिए लोढ़ी के एक अस्पताल ले गए, परीक्षण के बाद अस्पताल के डाक्टरों ने मृत घोषित कर दिया महिला की मौत से परिजनों में कोहराम मच गया शव को पोस्टमार्टम हेतु जिला अस्पताल पीएम के लिए भेजते हुए पुलिस को सूचित कर दिया गया ।

कुंडी नाला में डूबी युवती हुई मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। रामपुर बरकोनीया थाना क्षेत्र के कुंडी नाल में मंगलवार दोपहर घूमने गई 14 वषिऱ्य युवती की डूबने से हुई मौत। जानकारी के अनुसार ज्योति कुमारी 14 वर्षी पुत्री संजय कुमार निवासी छोड़ा जो मंगलवार की दोपहर घर से निकली थी कि एक किलोमीटर दूर कुंडी नाला में सन्दिग्ध परिस्थितियों में गिर गई आधे घंटे तक घर नही पहुची तो परिजन खोज बिन करना सुरु कर दिए वही एक घण्टे तक खोज बिन सुरु किया गया वही इसकी सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच कर खोज सुरु किया ग्रामीणों की मद्दत से काफी मस्कत की गई घण्टो बाद शव बरामद हुआ वही पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेजवाया वही बुधवार को पीएम कराते हुए अग्रिम करवाई में जुटी।

संदिग्ध परिस्थितियों में युवक ने लगाई फांसी मौत

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। सदर कोतवाली क्षेत्र के छपका गांव के 24 वषिऱ्य युवक ने मंगलवार दोपहर बाद सन्दिग्ध परिस्थितियों में बढेर से लगाई फाशी मौत। जानकारी के अनुसार राजकुमार 24 वषिऱ्य पुत्र कमलेश छपका निवासी मंगलवार दोपहर काम से घर वापस आया और घर के बच्चों व पतने से कहा कि आप लोग पानी लेने जाएं पतने वह बच्चे घर से बाहर कुछ दूरी पर पानी लेने निकले इसी बीच दरवाजा बनाकर घर के बढेर से अपने गमछा लगाकर फांसी लगा लिया जब पानी लेकर पतिन्व बच्चे आए तो दरवाजा खटखटाया नहीं खुला तो आसपास चिल्लाने लगे मौजूद लोगों द्वारा दरवाजा तोड़कर देखा गया तो गमछे के सहारे बढेर से झूल रहा युवा को देखते ही भौचक रह गए वही लोगो ने पुलिस को सूचना दी गई मौके पोती पुलिस शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए जिला अस्पताल भेजवाया वहीं बुधवार को पीएम करा कर अग्रिम कार्रवाई में ड्यूटी पुलिस।

सदर विधायक ने आंगनबाड़ी केंद्र का किया उद्घाटन

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र।सदर ब्लाक क्षेत्र ग्राम पंचायत बेठिगाव निष्फ के आंगनबाड़ी केंद्र का उद्घाटन सदर विधायक भूपेश चौबे ने किया सदर विधायक भूपेश चौबे वह ग्राम प्रधान नीलम त्रिपाठी ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि आंगनबाड़ी केंद्र भवन नहीं रहने के कारण यहां के नौनिहाल बच्चों को आंगनबाड़ी केंद्र में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। यहां के नौनिहालों के परेशानियों को देखते हुए विभाग के द्वारा मनरेगा योजना के तहत आंगनबाड़ी केंद्र भवन का निर्माण कराया गया। अब नौनिहाल बच्चे छत के नीचे अपना पठन-पाठन करेंगे। केंद्र सरकार के द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न योजनाओं की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि सरकार के द्वारा अब नौनिहालों जो आंगनबाड़ी केंद्र में पठन- पाठन करते हैं, उसके लिए भी अब भवन का निर्माण करा रहे हैं। ताकि नौनिहालों को भी छत के नीचे रहकर अपना पठन पाठन का कार्य कर सके।मनरेगा योजना के अन्तर्गत भवन का निर्माण आठ लाख 68 हजार 653 रुपए के प्राक्कालित राशि से निर्माण कराया गया है। इस मौके पर ग्राम प्रधान नीलम त्रिपाठी भाजपा जिला मीडिया प्रभारी अनूप तिवारी सीताराम मौर्य योगेश मौर्यबबलू केसरी शिव शंकर चतुर्वेदी कैलाश बिहार राम जियावान कनौजिया राजकुमार गुप्ता भुवनेश्वर कनौजिया बलिराम कुशवाहा अमरनाथ भारती लकवा भारती सज्जन पासवान आंगनबाड़ी कर्मचारी मुनने देवी कुसुम मौर्य पुष्प लता विश्वकर्मा सीडीपीओ रार्वटसगज अनिल सिंह ेंदें रावटसगंज विनय मिश्रा पंचायत मित्र उपेंद्र मौर्या पंचायत सहायक शिल्पा त्रिपाठी आदि मौजूद रहे।

ब्लूड डोनेट सिविल लगाने को सीएमओ ने किया निर्देशित

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)
सोनभद्र। बुधवार को डा0 अश्वनी कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी द्वारा पी0पी0सी0 सेन्टर का औचक निरीक्षण किया गया, निरीक्षण के समय डा0 संग्राम सिंह, आरोग्य आयुष्मान मन्दिर राबर्टसगंज गये हुए थे, महिला चिकित्सक डा0 संगीता त्रिपाठी, एम0टी0पी0 प्रशिक्षण पर गयी थी। वहां पर कार्यरत स्टाफ नर्स एवं ए0एन0एम0 द्वारा प्रसव का कार्य कराया जा रहा था। प्रसवोत्तर वार्ड में 3 महिला प्रसव हेतु भर्ती थीं, स्टाफ नर्स रेखा अवकाश पर थी। शेष सभी कर्मचारी अपने ड्यूटी पर उपस्थित पाये गये तत्पश्चात् ब्लूड बैंक राबट्र्सगंज का का निरीक्षण किया गया, पूछताछ पटल पर कोई कार्मिक उपस्थित नहीं था। निरीक्षण के समय ब्लूड बैंक इंचार्ज डा0 अशोक कुमार एवं जे0आर0 डा0 सोनालिका शर्मा अनुपस्थित थी। डा0 सोनालिका शर्मा के बारे में बताया गया कि वे बायोमेट्रिक उपस्थित दर्ज कराने हेतु मेडिकल कालेज गयी हुई है। एल0टी0 अखिलेश कुमार सिंह एवं चतुर्थ श्रेणी कार्मिक रेस्टिंग रूम में थे। ब्लूड बैंक स्टोरेज कक्ष का निरीक्षण करने पर पाया गया कि कुल 9 यूनिट ब्लूड उपलब्ध है, जिसमें से बी पाजिजिट के 3, ओ-पाजिटिव के 5 एवं ए0बी0 पाजिटिव के 1 ब्लूड यूनिट उपलब्ध थे। दो यूनिट ब्लूड डिस्काई हो चुका था। रजिस्टर के अवलोकन पर यह प्रकाश में आया कि दिनांक 03 सितम्बर को 15 यूनिट ब्लूड इसु किया गया था एवं 16 यूनिट ब्लूड डोनेट किया गया था। उक्त से प्रतीत हो रहा है कि ब्लूड बैंक इंचार्ज तथा काउन्सलर द्वारा स्वैच्छिक रक्तदान शिविर आयोजित कराने में कोई रूचि नहीं ली जा रही है। ब्लूड बैंक इंचार्ज एवं काउन्सर को निर्देश दिया जाता है कि व्यक्तिगत प्रयास / स्वयंसेवी संगठनों / संस्थानों से सम्पर्क कर रक्तदान शिविर लगावे एवं ब्लूड डोनेट कराने का प्रयास करें। जब तक उक्त में अपेक्षित प्रगति नही आती है ब्लूड बैंक इंचार्ज तथा काउन्सलर का माह अगस्त 2024 का वेतन रोके जाने की संस्तुति की जाती है। डा0 सोनालिका शर्मा का उक्त दिवस का वेतन उपस्थिति स्पष्ट होने के बाद ही आहरित किया जाय। प्रातः 10.50 पर अरबन प्रा0स्वा0 केन्द्र का निरीक्षण किया गया, जहां पर वी0एच0एस0एन0डी0 सत्र संचालित था, ए0एन0एम0 जैबुननिशा द्वारा टीकाकरण का कार्य किया जा रहा था, उस समय तक 0-1 वर्ष तक के 10 बच्चों एवं 1-5 वर्ष तक के 3 बच्चों का टीकाकरण का कार्य हुआ था। डा0 जे0पी0 सिंह द्वारा ओ0पी0डी0 में मरीजों को देखा जा रहा था। श्रीमती चन्द्रकला सिंह द्वारा ए0एन0सी0 चेक-अप का कार्य किया जा रहा था उनके रजिस्टर में आज दिनांक में एक ए0एन0सी0 दर्ज था।

स्पोर्ट्स

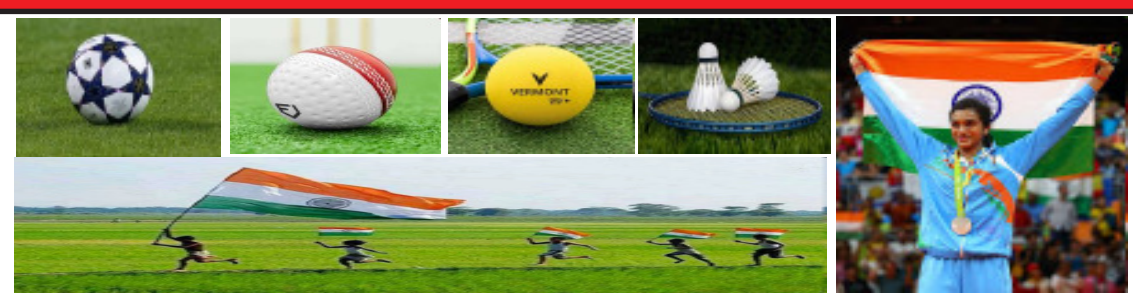

बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए तैयार हैं गिल, दलीप ट्रॉफी में स्पिनर्स की चुनौती पर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। शुभमन गिल का मानना है कि उनका टेस्ट करियर अभी तक उम्मीदों के मुताबिक शिखर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन आगामी सत्र में 10 टेस्ट मैचों में स्पिनरों के 10 टेस्ट मैचों में स्पिनरों के खिलाफ उनके डिफेंस में सुधार की उम्मीद है। गिल ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू सीरीज में करीब 500 रन बनाए थे जो अभी तक टेस्ट क्रिकेट में उनका अब तक का में अभी धमाका करना बाकी है और उन्हें जल्द ही इसमें बदलाव की उम्मीद है। उन्होंने कहा, 'टेस्ट क्रिकेट में मेरा प्रदर्शन अभी तक मेरी उम्मीदों के अनुरूप नहीं रहा है। लेकिन हमें इस सत्र में 10 टेस्ट

खिलाफ उनके डिफेंस में सुधार की उम्मीद है। भारत को इस महीने बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरीज खेलनी है। इसके लिए अभी तक भारतीय टीम का एलान नहीं हुआ है। हालांकि, उससे पहले दलीप ट्रॉफी टूर्नामेंट खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में भारत के कई स्टार खिलाड़ी नजर आएंगे। इस टूर्नामेंट को बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के लिए टीम चयन का आधार माना जा रहा है। बांग्लादेश की टीम ने हाल ही में पाकिस्तान को 2-0 से क्लीन स्वीप कर तहलका मचाया है। ऐसे में इस टीम से कड़ी चुनौती की उम्मीद की जा रही है। खासतौर पर बांग्लादेश के स्पिनर्स कड़ी टक्कर दे सकते हैं। इस चुनौती को लेकर शुभमन गिल ने बयान दिया है। गिल ने कहा है कि स्पिनर्स के खिलाफ उन्होंने डिफेंस मजबूत की है।शुभमन गिल का मानना है कि उनका टेस्ट करियर अभी तक उम्मीदों के मुताबिक शिखर पर नहीं पहुंचा है, लेकिन आगामी सत्र में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था। अब वह 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ शुरू हो रही दो मैचों की सीरीज में इसे और बेहतर बनाना चाहते हैं जिसमें उन्हें मेहमान टीम के अनुभवी स्पिनरों से चुनौती मिलेगी। दलीप ट्रॉफी में टीम ए की अगुआई करने वाले गिल ने बुधवार को कहा, 'मैंने स्पिनरों के खिलाफ अपने डिफेंस पर थोड़ा और काम किया। जब आप स्पिनरों के खिलाफ 'टर्निंग' पिच पर खेल रहे होते हैं तो आपको काफी अच्छा रक्षण करने में सक्षम होना चाहिए क्योंकि फिर आप रन जुटाने वाले शॉट खेल सकते हैं।' उन्होंने कहा, 'अभी काफी अधिक टी20 खेले जा रहे हैं तो सपाट ट्रैक नहीं बल्कि बल्लेबाजी के अनुकूल पिच पर मुझे लगता है इससे आपका डिफेंसिव खेल थोड़ा कम हो जाता है। इसलिए इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मेरा ध्यान इसी पर लगा है।' गिल सफेद गेंद के प्रारूपों में धमाकेदार रहे हैं, लेकिन इस 24 साल के खिलाड़ी को टेस्ट प्रारूप मैच खेलने हैं और जब मैं इन मुकाबलों के बाद मुड़कर देखूंगा तो आशा करता हूं कि मेरी उम्मीदें पूरी हो जाएंगी।' गिल बतौर खिलाड़ी और व्यक्तिगत तौर पर भी परिपक्व होने पर जोर देते हैं। उन्होंने भारत की कप्तानी और इंडियन प्रीमियर लीग में गुजरात टाइटन्स की कप्तानी के संदर्भ में बात करते हुए कहा, 'आप जिस भी प्रत्येक मैच और प्रत्येक टूर्नामेंट में खेलते हो आप इसमें से कुछ सीख लेना चाहते हो, भले ही आप कप्तान हो या नहीं। लेकिन अगर आप कप्तान हो तो आपको अन्य खिलाडि.यों के बारे में भी जानने को मिलता है। कप्तान के लिए खिलाडि.यों से जुड़ाव होना महत्वपूर्ण है।' उन्होंने कहा, 'आपको उनकी मजबूती और कमजोरी के बारे में जानना चाहिए। मेरे अंदर कुछ बदलाव हुए हैं क्योंकि जब आप कप्तान या उप कप्तान होते हो तो आपको अपने खिलाडि.यों से बातचीत करनी होती है।

बांग्लादेश से सीरीज हार के बाद पाकिस्तान को बड़ा नुकसान, टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसका

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेनन्ई में खेला मैच में 10 विकेट से और दूसरे मैच में छह विकेट से हार गया था। यह दोनों मैच रावलपिंडी में खेले गए थे। आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'बांग्लादेश के अंकों पर पहुंचा है।' बांग्लादेश 13 रेटिंग अंक हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान से पीछे नौवें स्थान पर बना हुआ है। श्रृंखला में 2-0 से जीत के बाद हालांकि विश्व टेस्ट

जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद छह अक्तूबर से दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी। बांग्लादेश के हाथों पहली बार टेस्ट सीरीज गंवाने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई।पाकिस्तान पहले टेस्ट हाथों अपने घरेलू मैदान पर श्रृंखला में करारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गया है।' वेबसाइट के अनुसार', 'पाकिस्तान की टीम सीरीज से पहले छठे स्थान पर थी, लेकिन लगातार हार के कारण वह वेस्टइंडीज से नीचे आठवें स्थान पर पहुंच गई है। उसके 76 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 1965 के बाद पहली बार इतने कम रेटिंग चैंपियनशिप की तालिका में उसको फायदा हुआ है और वह भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है। बांग्लादेश अब दो टेस्ट मैच की सीरीज के लिए भारत का दौरा करेगा जिसका पहला टेस्ट मैच 19 सितंबर से चेनन्ई में खेला जाएगा। वहीं, दूसरा टेस्ट 27 सितंबर से कानपुर में खेला जाएगा। इसके बाद छह अक्तूबर से दोनों देशों के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज खेली जाएगी।

दलीप ट्रॉफी में ऋषभ पंत पर होंगी निगाहें, लंबे समय बाद इस प्रारूप में कर रहे हैं वापसी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला यहां चिननस्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा। 2022 में सड़क दुर्घटना में कार्यक्रम को देखते हुए अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति इस विकेटकीपर बल्लेबाज की वापसी को लेकर कितनी गंभीर है। चयन समिति के लिए हालांकि विकेटकीपर का चयन करना आसान नहीं होगा क्योंकि कुछ अन्य मजबूत दावेदार भी हैं। इनमें

घायल होने के बाद पहली बार लंबी अवधि के प्रारूप में वापसी कर रहे विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत गुरुवार से बेंगलुरु और अनंतपुर में शुरू होने वाले दलीप ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट में आकर्षण का केंद्र होंगे। पंत ने चोटों से उबरने के बाद सीमित ओवरों की क्रिकेट में सफल वापसी की लेकिन वह अभी तक लंबी अवधि के प्रारूप में नहीं खेले हैं। उन्होंने लाल गेंद से अपना अंतिम मैच दिसंबर 2022 में बांग्लादेश के खिलाफ खेला था।अब वह अभिमन्यु ईश्वरन की अगुआई वाली टीम बी की तरफ से मैदान पर उतरेंगे जिसका मुकाबला यहां चिननस्वामी स्टेडियम में शुभमन गिल के नेतृत्व वाली टीम ए से होगा। सीमित ओवरों की क्रिकेट में वापसी करने में उन्हें किसी तरह की परेशानी नहीं हुई लेकिन यह चार दिवसीय टूर्नामेंट उनके लिए अलग तरह की चुनौती पेश करेगा क्योंकि उन्हें विकेटकीपर और बल्लेबाज के रूप में लंबा समय मैदान पर बिताना पड़ सकता है।पंत को टीम बी का विशेषज्ञ विकेटकीपर नियुक्त किया गया है जिससे पता चलता है कि भारत के टेस्ट क्रिकेट में आगे व्यस्त टीम ए की तरफ से खेलने वाले ध्रुव जुरेल भी शामिल है जिन्होंने इस साल के शुरू में इंग्लैंड के खिलाफ अपनी पदार्पण श्रृंखला में प्रभावशाली प्रदर्शन किया था। उनके अलावा ईशान किशन भी हैं जो श्रेयस अय्यर की अगुआई वाली टीम डी के विकेटकीपर हैं। टीम डी का मुकाबला अनंतपुर में टीम सी से होगा जिसकी कप्तानी रुतुराज गायकवाड़ को सौंपी गई है। चयन समिति इसके अलावा विशेषकर तेज गेंदबाजी विभाग में जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज के विकल्प तलाशने पर भी ध्यान देगी क्योंकि भारतीय टीम का आगे काफी व्यस्त कार्यक्रम है। सिराज अस्वस्थ होने के कारण टूर्नामेंट के पहले दौर में नहीं खेल पाएंगे जबकि शमी अभी ऑपरेशन के बाद पूरी तरह से फिट नहीं हुए हैं। ऐसे में चयनकर्ता बंगाल के तेज गेंदबाज मुकेश कुमार और आकाशदीप पर पैनी नजर रखेंगे। इनके अलावा अर्शदीप सिंह, अवेश खान, खलील अहमद, विदवथ कावेरप्पा, वैसाख विजयकुमार और हर्षित राणा भी चयन समिति को प्रभावित करने की कोशिश करेंगे।

शर्मनाक हार के बाद झ्ण्ँ ने उठाया सख्त कदम, नए केंद्रीय अनुबंध से पहले होगा कड़ा फिटनेस टेस्ट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। छह से आठ सितंबर के बीच फिटनेस टेस्ट का आयोजन लाहौर में किया जाएगा। इस प्रक्रिया की निगरानी सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन, टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और ट्रेनर करेंगे। बांग्लादेश के खिलाफ मिली शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) बदलाव की तैयारी में है। पीटीआई के मुताबिक, नए केंद्रीय अनुबंध से पहले पाकिस्तानी खिलाडि.यों को सख्त फिटनेस टेस्ट देना होगा। यह नियम वर्तमान में अनुबंधित खिलाड़ी और अन्य अंतरराष्ट्रीय और घरेलू खिलाडि.यों पर लागू होगा। छह से आठ सितंबर के बीच फिटनेस टेस्ट का आयोजन लाहौर में किया जाएगा। इस प्रक्रिया की निगरानी सफेद गेंद के मुख्य कोच गैरी कर्स्टन, टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और ट्रेनर करेंगे। इसके बाद सभी खिलाड़ी चैंपियंस

कप के लिए फैसलाबाद रवाना होंगे। पीसीबी के एक सूत्र ने पीटीआई से कहा- फिटनेस टेस्ट से यह तय होगा कि इस साल किन खिलाडि.यों को अनुबंध मिलेगा। वहीं, उनके प्रदर्शन को भी प्राथमिकता दी जाएगी। दोनों विदेशी कोच (कर्स्टन और जेसन गिलेस्पी) ने चयनकर्ताओं और बोर्ड को स्पष्ट कर दिया है कि खिलाडि.यों के चयन के लिए उनका पहला मानदंड उनकी फिटनेस होगी। हाल ही में बांग्लादेश ने पाकिस्तान को दो मैचों की टेस्ट सीरीज में 0-2 से हराकर इतिहास रचा था। पाकिस्तानी खिलाडि.यों और बोर्ड को इस वजह से आलोचनाओं का सामना करना पड़ रहा है। सूत्र ने पीटीआई से आगे कहा- गिलेस्पी बांग्लादेश के खिलाफ हाल ही में खेले गए टेस्ट मैचों में कुछ खिलाडियों की फिटनेस से खुश नहीं थे और उनका मानना था कि खिलाड़ी टेस्ट मैचों के सभी सत्रों के दौरान अपनी तीव्रता और सहनशक्ति बरकरार नहीं रख पाए।

कप्तान मसूद ने पाकिस्तान टीम में अनबन की खबरों का किया खंडन, अफरीदी गिलेस्पी मामले पर दिया यह बयान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। पाकिस्तान टेस्ट टीम के कप्तान शान मसूद ने अपने और स्टार तेज गेंदबाज शाहीन अफरीदी के बीच दरार की बढ़ती अटकलों पर विराम लगा दिया है। बांग्लादेश के खिलाफ पाकिस्तान की शर्मनाक टेस्ट सीरीज हार के बाद यह सामने आया था कि टीम में अनबन है। इस दौरान अनबन की कई वीडियो और तस्वीरें भी सामने आई थीं। एक वीडियो में तो शाहीन को मसूद के कंधे पर से हाथ को हटाते देखा गया था, जबकि दूसरे वीडियो में मसूद ड्रेसिंग रूम में मुख्य कोच जेसन गिलेस्पी से

भिड़ते हुए दिखे थे। अब मसूद ने इन सभी मामलों पर बयान दिया है। मसूद ने स्पष्ट किया कि अफरीदी मामले में गुस्सा नहीं, बल्कि सावधानी थी। मसूद ने बताया कि अफरीदी ने अपना हाथ इसलिए हटाया क्योंकि उन्होंने उस हिस्से पर हाथ रखा था जहां तेज गेंदबाज को चोट लगी थी। मसूद ने कहा कि इसमें और कुछ नहीं है। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि जो घटना हुई थी, जहां मैंने शाहीन के कंधे पर हाथ रखा था और उन्होंने इसे हटा दिया था, वह मुझसे नाराज नहीं थे। वह नाहिद राणा से टकरा गए थे और मैंने उस सटीक जगह को छुआ था। दर्द होने पर उन्होंने हाथ हटाया था।' एक और घटना घटी थी जहां मसूद को बाउंड्री लाइन पर शाहीन अफरीदी पर चिल्लाते हुए देखा गया था। हालांकि, अब कप्तान ने कहा है कि वह गुस्सा अफरीदी के लिए नहीं था, बल्कि वह मुख्य कोच गिलेस्पी से नाराज थे। मसूद ने कहा कि पुरानी गेंद इस्तेमाल करने को लेकर वह गिलेस्पी से नाराज चल रहे थे और इसका अफरीदी से कोई लेना देना नहीं है। उन्होंने कहा, 'मैं जेसन गिलेपी पर गुस्सा था। लिटन के शॉट मारने के बाद हमारी गेंद स्टैंड में चली गई थी। वह गेंद आठ ओवर पुरानी थी। अंपायरों द्वारा गेंद को बदलने के बाद हमने देखा कि यह बहुत पुरानी थी, 18-19 ओवर पुरानी थी और मैं बहस कर रहा था कि हमें एक बेहतर गेंद की जरूरत है। फिर मैंने कुछ अफवाहें देखीं। इसलिए हम मैचों के दौरान सोशल मीडिया कम देखने की कोशिश करते हैं।' रावलपिंडी में पाकिस्तान को दो टेस्ट मैचों की सीरीज में बांग्लादेश से शर्मनाक हार झेलनी पड़ी। बांग्लादेश ने पहला टेस्ट 10 विकेट और दूसरा टेस्ट छह विकेट से जीतकर पाकिस्तान का सूपड़ा साफ कर दिया। 2023 में कप्तानी संभालने के बाद से मसूद की लगातार पांचवीं हार थी। उनके कार्यकाल की शुरुआत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन टेस्ट मैचों की सीरीज में हार के साथ हुई। अब उन्हें बांग्लादेश से हार का सामना करना पड़ा है। ये हार पाकिस्तान के लिए इसलिए भी शर्मनाक है, क्योंकि उन्हें पहले कभी टेस्ट मैच में बांग्लादेश ने नहीं हराया था। मसूद ने जोर देकर कहा कि पाकिस्तान को टेस्ट में सुधार करने के लिए टीम को अधिक टेस्ट मैच खेलने चाहिए।

आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी की कीमत से तीन गुना ज्यादा टैक्स देते हैं कोहली, धोनी से दोगुना

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

नई दिल्ली। कोहली पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने के बाद क्रिकेट से ब्रेक पर हैं। वह भारत की सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली हस्तियों की सूची में अन्य खेल हस्तियों से आगे हैं। फॉर्च्यून इंडिया द्वारा जारी एक सूची के मुताबिक, भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली वित्तीय वर्ष 2023-24 में देश में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले खिलाड़ी हैं। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि भारत के शीर्ष खेल आइकन में से एक कोहली ने वित्त वर्ष 2023-24 में 66 करोड़ रुपये का भुगतान किया। यह राशि आईपीएल के सबसे महंगे खिलाड़ी मिचेल स्टार्क (?24.75 करोड़) की बिक्री मूल्य से लगभग तीन गुना अधिक है। ओवरऑल सेलिब्रिटी की बात करें तो उनके ऊपर सिर्फ शाहरुख खान (92 करोड़), विजय (80 करोड़), सलमान खान (75 करोड़) और अमिताभ बच्चन (71 करोड़) का नंबर आता है।कोहली पिछले महीने श्रीलंका के खिलाफ वनडे सीरीज में खेलने के बाद क्रिकेट से ब्रेक पर हैं। वह भारत की सबसे ज्यादा टैक्स देने वाली हस्तियों की सूची में अन्य खेल हस्तियों से आगे हैं।

राशि फल

आपका सामान्य रहने वाला है, स्वास्थ्य आपका ठीक रहेगा। आप किसी लंबी यात्रा आदि पर जा सकते हैं, वाहन आदि का उपयोग संभाल कर करें।

भागदौड़ से भरा रहेगा, आपका मन अशांत रहेगा। स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे, व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ी डील हाथ से निकल सकती है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।

आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा, कोई रुका हुआ पुराना कर आज पूरा होगा। स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव दिखाई पड़ेगा। व्यापार-व्यवसाय में आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

आपका दिन अच्छा रहने वाला है, स्वास्थ्य ठीक रहेगा। किसी कार्य के लिए आप प्रयास कर रहे हैं, तो आज आपको उसमें सफलता मिलेगी। व्यापार-व्यवसाय में कोई बड़ा ।

कुछ परेशानियों भरा रह सकता है। आप व्यर्थ के वाद विवाद में फंस सकते हैं, कोई झूठा आरोप आप पर लग सकता है। स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप कमजोरी महसूस करेंगे।

किसी अपने के व्यवहार के कारण परेशान हो सकते हैं। किसी संबंधी से बड़ा विवाद हो सकता है। आप स्वास्थ्य में गिरावट महसूस करेंगे। पार्टनर का स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

आपका मन प्रसन्न रहेगा, किसी विशेष व्यक्ति से मिलना होगा। आपके स्वास्थ्य में लाभ होगा, आप किसी धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। परिवार के साथ संबंध मधुर होंगे ।

आपके लिए सफलता से भरा रहेगा। नौकरी आदि का प्रयास कर रहे हैं, तो आज सफल होंगे। व्यापार-व्यवसाय में लाभ होगा। परिवार में माता-पिता की स्वास्थ्य में लाभ होगा।

आप स्वास्थ्य को लेकर परेशान रह सकते हैं। पारिवारिक समस्याओं के कारण मन अशांत रह सकता है। पार्टनर से मतभेद हो सकते हैं।

आपका दिन परेशानियों से भरा रहेगा, स्वास्थ्य बिगड़ सकता है। व्यापार आदि में हानि उठानी पड़ सकती है। लंबी यात्रा पर जाएं, तो वाहन आदि का उपयोग संभलकर करें।

आपके लिए बहुत अच्छा रहने वाला है। न्यायालय पक्ष में विजय प्राप्त होगी, सोचे हुए कार्य पूर्ण होंगे। मित्रों और संबंधियों का आर्थिक रूप से पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा।

आप कोई नया कार्य शुरू करेंगे। किसी विशेष व्यक्ति के आगमन से मन प्रसन्न रहेगा। माता-पिता परिवार के साथ आप किसी बड़े कार्य की योजना बना सकते हैं।

मेरे पिता को मानसिक समस्याएं योगराज के धोनी पर जुबानी हमले

(आधुनिक समाचार नेटवर्क)

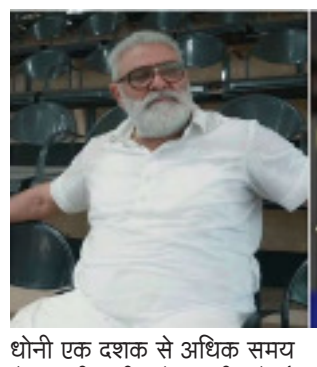

नई दिल्ली। टीम इंडिया के पूर्व क्रिकेटर युवराज सिंह के पिता योगराज सिंह ने हाल ही में भारतीय टीम के पूर्व कप्तान एमएस धोनी पर जुबानी हमला बोला था। इसके बाद सोशल मीडिया पर योगराज की जमकर आलोचना हुई थी। अब युवराज का एक पुराना वीडियो वायरल हो गया है, जिसमें वह अपने पिता की मानसिक समस्याओं पर बात करते दिख रहे हैं। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर रणवीर अल्लाहबादिया के पॉडकास्ट से ली गई एक क्लिप में युवराज स्वीकार करते हैं कि उनके पिता को कुछ मानसिक समस्याएं हो सकती हैं। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है कि मेरे पिता को मानसिक समस्या है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करेंगे।' युवराज ने चार नवंबर, 2023 को जारी पॉडकास्ट एपिसोड में यह बात कही थी। युवराज ने स्वीकार किया कि उनके पिता जीवन में सफल रहे हैं, लेकिन वह उनकी कुछ चीजों को स्वीकार नहीं करते। युवराज ने कहा, 'मुझे लगता है कि कुछ चीजें हैं जिन पर उन्हें ध्यान देने की जरूरत है, लेकिन वह इसे स्वीकार नहीं करते।' युवराज और

धोनी एक दशक से अधिक समय से भारतीय टीम के साथी रहे हैं और एक समय युवराज ने धोनी के डिप्टी के रूप में काम किया था। हालांकि, विवाद की जड़ इस तथ्य को माना जाता है कि 2007 में राहुल द्रविड़ के बाद धोनी को कप्तानी दी गई थी, जबकि युवराज द्रविड़ के उप-कप्तान भी थे। युवराज कई बार इसे जाहिर भी कर चुके हैं कि उन्हें लगा था कि कप्तानी उन्हें दी जाएगी। हालांकि, मैदान पर उतरकर दोनों ने देश को कई मैचों में जीत दिलाई। इसे सुपरहिट जोड़ी माना जाता है। युवराज ने इस पॉडकास्ट में यह भी कहा था कि वह और धोनी दोस्त नहीं हैं, लेकिन देश के लिए खेलते वक्त उनका ध्यान सिर्फ भारत को जिताने पर होता था। इससे पहले योगराज ने जी स्विच के यूट्यूब चैनल से बातचीत करते हुए कहा, 'मैं एमएस धोनी को माफ नहीं करूंगा। उन्हें आईने में अपना चेहरा देखना चाहिए। वह बहुत बड़े क्रिकेटर हैं, लेकिन उन्होंने मेरे बेटे के खिलाफ जो किया है, वह सब कुछ अब सामने आ रहा है। उन्हें जीवन में कभी माफ नहीं किया जा सकता। मैंने जीवन में कभी दो चीजें नहीं की हैं, पहला जिसने मेरे लिए गलत किया है, मैंने उसे कभी माफ नहीं किया है और दूसरा, मैंने अपने जीवन में कभी भी उन्हें गले नहीं लगाया है, चाहे वह मेरे परिवार के सदस्य हों या मेरे बच्चे।' यह पहली बार नहीं है जब योगराज ने धोनी पर सीधा निशाना साधा है। इस साल की शुरुआत में 66 वर्षीय पूर्व क्रिकेटर ने दावा किया था कि धोनी के बुरे कामों के कारण सीएसके आईपीएल 2024 हार गई। उन्होंने धोनी पर युवराज से ईर्ष्या करने का भी आरोप लगाया। योगराज ने कहा था, 'सीएसके आईपीएल 2024 हार गई। वे क्यों हार गए? जो बोओगे, वैसा ही काटोगे। युवराज सिंह आईसीसी के एम्बेसडर हैं, उन्हें सलाम! ईर्ष्यालु धोनी, वह कहां हैं? उसने युवराज से हाथ तक नहीं मिलाया और यही कारण है कि सीएसके इस साल विफल रही।

सम्पादकीय

डिप्रेशन में जा रहे युवा अवनि लेखरा से प्रेरणा लें

जयपुर की अवनि लेखरा ने भारत के लिए लगातार दो पैरालंपिक में शूटिंग स्पर्धा में दो गोल्ड मैडल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खेल के साथ अवनि को रामचरितमानस से भी शक्ति मिली है। जयपुर की अवनि लेखरा ने भारत के लिए लगातार दो पैरालंपिक में शूटिंग स्पर्धा में दो गोल्ड मैडल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खेल के साथ अवनि को रामचरितमानस से भी शक्ति मिली है। अवनि के पिता प्रवीण लेखरा ने स्वयं यह बात बताई। पिता प्रवीण ने बताया कि रामचरितमानस की चौपाई 'कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो होती थी अवनि ने जब पहला मैच खेला तो उसके पास खुद की राइफल तक नहीं थी। उधार की राइफल से उसने गोल्ड मैडल जीता था। 2016 का साल अवनि के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आया। उसने स्पर्धाओं में तीन गोल्ड मैडल जीते, जिससे उसका इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए चयन हो गया। वर्ष 2017 में यूएई में अवनि ने पहला वर्ल्ड कप खोला और सिल्वर मेडल जीत कर देश का मान बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक में अवनि पहली भारतीय महिला बनीं, जिसने गोल्ड मैडल जीता। वो एक पैरालंपिक में दो मैडल (एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज)

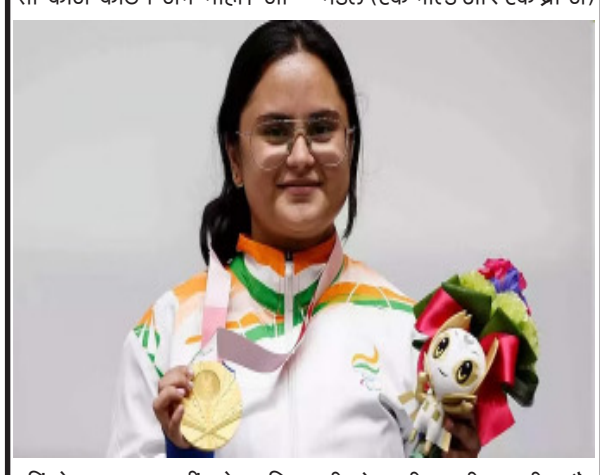

नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं' को अवनि दोहराती है। पेरिस पैरालंपिक में जाते समय भी यह चौपाई अवनि लेखरा कागज पर लिखकर ले गई है। मात्र 11 साल की उम्र में यदि कोई बच्चा दुर्घटना का शिकार हो जाए और आगे की जिंदगी अपंगता में बीते तो उसका मनोबल टूट जाएगा, लेकिन अवनि लेखरा अपवाद है। वर्ष 2012 में जयपुर से धौलपुर जाते समय एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई अवनि एकाएक व्हीलचेयर पर आ गई थी। लग रहा था कि जीवन में आगे कोई उम्मीद नहीं है। निराशा ने चारों ओर से घेर लिया था, लेकिन परिवार ने संबल दिया। विशेषकर पिता प्रवीण लेखरा ने मनोबल बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक के बाद पेरिस पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड मैडल जीतकर उन सभी लोगों में एक नए आत्मविश्वास का संचार किया है, जो जीवन में कहीं न कहीं निराश हो चुके हैं। जब सड़क हादसे के बाद बेटी व्हीलचेयर पर आ गई और निराशा में डूबी रहती थी, तब पिता ने उसे राइफल शूटिंग के प्रति प्रोत्साहित किया। मन बहलाने के लिए एक दिन शूटिंग रेंज तक ले गए। वर्ष 2015 में अवनि ने शौकिया शूटिंग की शुरुआत की। हालांकि, चुनौतियां पहाड़ जैसी बड़ी थीं। अवनि की उम्र भी बेहद कम थी। परिवार के पास संसाधन भी नहीं थे। जयपुर में शूटिंग को लेकर सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं थीं। शुरू-शुरू में अवनि को राइफल तक उठाने में परेशानी जीतने वाली पहली भारतीय हैं। अवनि पहली भारतीय ओलंपियन भी हैं, जिसने लगातार दो पैरालंपिक खेलों में गोल्ड मैडल जीते हैं। अवनि आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है, जो जरा सी असफलता से निराश हो जाती है। डिप्रेशन में चली जाती है। जो युवा आज डिप्रेशन में जा रहे हैं, वो अवनि की जिंदगी से सीख सकते हैं। अवनि के परिवार ने उसे बहुत सपोर्ट किया। उसी सपोर्ट की वजह से अवनि इस मुकाम पर पहुंची है। इसलिए हर परिवार की जिम्मेदारी है कि वो अपने बच्चों को अकेला न छोड़ें। बच्चे को सही राह दिखाएं। प्रत्येक बच्चे में कुछ न कुछ अद्भुत गुण छिपे होते हैं। बस उन्हें उभारने की जरूरत है। परिवार के बाद बच्चों को दिशा देने की जिम्मेदारी समाज की है। समाज के बाद सरकार का नंबर आता है। यदि बच्चे को इन तीनों संस्थाओं से सही राह मिले तो देश का पूरा परिदृश्य ही बदल जाएगा। आज भारत में लाखों युवा डिप्रेशन का शिकार हैं। कुछ नशे के आदी हो जाते हैं तो कुछ खुदकुशी तक कर लेते हैं। जैसे अवनि लेखरा रामचरितमानस से प्रेरणा लेती है, वैसे ही पेरिस ओलंपिक में दो ब्रॉन्ज मैडल जीतने वाली मनु भाकर श्रीमद्भगवद् गीता का नियमित पाठ करती है। युवा इन दोनों खिलाड़ियों के जीवन से सीख सकते हैं। यदि सही राह और अध्यात्म की शक्ति मिले तो हमारे युवा दुनिया जीतने का जज्बा रखते हैं।

शिक्षक सीखने की जमीन तैयार करता है एआई और आईटी के युग में सही वातावरण तैयार करना बड़ी जिम्मेदारी

शिक्षण को महज तकनीक से जोड़ना, सीखने की प्रक्रिया की संकीर्ण व्याख्या है। अच्छा शिष्य शिक्षक से एक-चौथाई, एक चौथाई खुद की बुद्धि से, एक-चौथाई सहपाठियों से और शेष ज्ञान जीवन के अनुभवों से प्राप्त करता है। आज के डिजिटल युग में, ज्ञान की उपलब्धता और शिक्षण की प्रक्रिया में बड़े परिवर्तन आए हैं। इंटरनेट, गूगल और अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता यानी एआई ने शिक्षा को अधिक सुलभ और समृद्ध बना दिया है।?लेकिन इससे शिक्षक का महत्व कम नहीं होता। इस संदर्भ में एक श्लोक उद्धरणीय है; 'सद्वर्तनं च विद्वत्ता च तथाध्यापनकौशलम्। शिष्यप्रियत्वमेतद्धि गुरोर्गुणचतुष्टयम्।।' अर्थात अच्छा व्यवहार, विस्तृत और गहरा ज्ञान, शिक्षण की तकनीक और शिष्यों में प्रिय होना यह अच्छे शिक्षक के चार गुण हैं। विचारणीय यह है कि एआई और आईटी की अन्य तकनीकें इनमें से किन गुणों की जगह ले सकती हैं। इन गुणों को ध्यान से देखें, तो हम पाते हैं कि मुख्यतः ज्ञान ही वह विशेषता है, जिसे एआई और दूसरी तकनीक कुछ हद तक प्रतिस्थापित कर सकती हैं। शिक्षण विधि तो एआई से विकसित की जा सकती है, लेकिन शिक्षक के व्यवहार और उसका प्रिय होना किसी भी तकनीक से प्रतिस्थापित नहीं किए जा सकते। एआई और गूगल जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म्स तुरंत और विशाल मात्रा में जानकारी प्रदान कर सकते हैं, लेकिन वे गहराई से समझाने, विश्लेषणात्मक सोच को प्रोत्साहित करने, और व्यक्तिगत प्रतिक्रिया देने में सीमित होते हैं। ये उपकरण सामान्य जानकारी और समाधान देते हैं, लेकिन अनेक बार ज्ञान के नैतिक और सामाजिक पहलुओं पर चर्चा नहीं कर सकते। इसके विपरीत, शिक्षक न केवल जानकारी की गहराई और संदर्भ प्रदान करते हैं, बल्कि छात्रों को प्रेरित भी करते हैं और उनके व्यक्तिगत विकास में मदद कर सकते हैं। वे यह भी मार्गदर्शन करते हैं कि इन प्लेटफॉर्म्स पर क्या और कैसे खोजा जाए, जिससे छात्रों की सीखने की प्रक्रिया को और अधिक प्रभावशाली और व्यवस्थित बनाया जा सके। प्राचीन शिक्षा शिष्य के संपूर्ण विकास को लक्ष्य बनाती थी, जिसमें शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक पहलुओं का समावेश था। एआई और तकनीक इसमें सहायक तो हो सकती हैं।

जीवन के हर आयाम को शिक्षण से जोड़ते थे डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन

राधाकृष्णन एक सफल राजनेता एक कुशल राजनयिक और उत्कृष्ट वक वक्ता तो थे ही। पर इन सबसे ऊपर वे एक उच्चकोटि के शिक्षक थे । एक शिक्षक के रूप उन्होंने अपने जीवन के बहुमूल्य चालीस साल बिताए। सर्वपल्ली राधाकृष्णन् की चालीस साल के बाद अपने शैक्षिक अनुभव के आधार पर शिक्षा के बारे में यह टिप्पणी आज भी हमारे आध्यात्मिक अज्ञानता का भी होता है और जो आध्यात्मिक अज्ञानता को दूर करने में सक्षम हो, उसे गुरु कहा जाता है। एक गुरु का परम कर्तव्य है कि वह अपने शिष्यों में छिपी प्रतिभा, कौशल और योग्यता को उद्घाटित करें, उसे निखार और संवार दें। स्वामी विवेकानंद और महात्मा गांधी के शिक्षा सम्बन्धी विचारों से प्रेरणा ग्रहण करते हुए राधाकृष्णन ने सहयात्री बन सके। एक अच्छा शिक्षक वह होता है जो अपने विद्यार्थियों को भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार कर सकें। आचार्य पतंजलि ने विद्या को तब तक उपयोगी नहीं माना है जब तक वह चार प्रक्रियाओं अर्थात् अध्ययन, मनन, प्रवचन और प्रयोग की कसौटी पर खरा न उतरें। इस प्रसंग में आचार्य विद्यानिवास मिश्र का यह कहना सर्वथा उचित प्रतीत होता है जवाहरलाल नेहरू को देश के प्रथम प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेना था। इसलिए राधाकृष्णन को पहले ही यह बता दिया गया था कि वे अपना भाषण रात्रि 12:00 बजे के पहले खत्म कर दें। यह बात राधाकृष्णन और जवाहरलाल नेहरू के अलावा किसी अन्य को नहीं मालूम था। एक राजनेता के बजाय राधाकृष्णन हमेशा एक शिक्षक ही बने रहना चाहते ऑफ़ लाइफ, हिंदू व्यू ऑफ़ लाइफ, माय सर्च फॉर ट्रुथ और कालकी। अपनी पुस्तक 'कालकी ' में वे आधुनिक युग के बारे में कहते है कि -यह आध्यात्मिक खोखलापन नैतिक भ्रामकता और सामाजिक अराजकता का युग है। आर्थिक और बौद्धिक नृशंसता का युग है।ठ अपने देशमें आजादी के बाद सत्ता परिवर्तन के लिए तो कई आंदोलन हुए। पर गांधी और

शिक्षण संस्थानों के लिए एक सबक की तरह है। खासतौर से सूचना क्रांति के इस दौर में जब -सूचनाओं और डाटा का अधिक से अधिक संग्रह और और उसका विश्लेषण करना हमारे योग्यता का पैमाना हो गया है। भारतीय ज्ञान परंपरा में शिक्षा, ज्ञान और विद्या अलग-अलग विधाएं रही हैं। शिक्षा का प्रयोजन उन विधाओं को खोजने से हैं- जो ज्ञान तक पहुंचाने की हमारी यात्रा में सहयोग करें। विद्या का सम्बन्ध -परा और अपरा विद्या से है अर्थात् सांसारिक और पारलौकिक विद्या से। इसी अर्थ में विद्या को- ' या विद्या सा विमुक्तये ' कहा गया है। मतलब वह विद्या जो हमें सांसारिक प्रपंच क्रोध, लोभ, द्वेष और घृणा से मुक्त कर पारलौकिक सत्ता से हमारा संबंध स्थापित करने में मदद करें। इसलिए हमारे शास्त्रों में कहा गया है - ' विघा गुरुणां गुरुः'। 'गु' का अर्थ है अंधकार और 'रू' का अर्थ है दूर करना। अंधकार सिर्फ बौद्धिक अज्ञानता का ही नहीं होता, बल्कि अपने शिक्षा दर्शन को विकसित किया है। महात्मा गांधी के अनुसार हमारी शिक्षा व्यवस्था ऐसी होनी चाहिए जिसमें 'हेड' 'हार्ट' एंड 'हैंड' अर्थात् मस्तिष्क हृदय और हाथ का समुचित उपयोग हो। मतलब यह कि शिक्षा का उद्देश्य ज्ञान, विवेक और कौशल को विकसित करना होना चाहिए। ज्ञान जब सघन होता है, तो विवेक में बदल जाता है।राधाकृष्णन की तरह शिक्षा पर विचार करते हुए आध्यात्मिक विचारक जे॰कृष्णमूर्ति कहते हैं कि- ठशिक्षा के उद्देश्य जब बड़े हो जाएंगे, तो बेरोजगारी भ्रष्टाचार अराजकता जैसी समस्याएं स्वतः खत्म होने लगेंगी, क्यों कि बड़ी सोच वाले नागरिक खुद इनके निदान के लिए आगे आने लगेंगे।ठ ऐसे नागरिक को तैयार करने के लिए एक शिक्षक को कैसा होना चाहिए? राधाकृष्णन कहते हैं कि- वह जिस विषय को पढ़ाता है, उसमें तो उसे महारत हासिल होनी ही चाहिए, अपने विषय में हो रहे नए अनुसंधान और विमर्शों से भी उसे जुड़े रहना चाहिए। ताकि वह ज्ञान की खोज यात्रा का कि ठशिक्षा केवल अक्षर की ही नहीं होती, हर एक कौशल की, हर एक कला की होती है और सिखाने वाला जरूरी नहीं केवल साक्षर व्यक्ति ही हों। इसी अर्थ में भारतीय शिक्षा प्रणाली गुरु को ही एक संस्था मानती है। राधाकृष्णन एक सफल राजनेता एक कुशल राजनयिक और उत्कृष्ट वक वक्ता तो थे ही। पर इन सबसे ऊपर वे एक उच्चकोटि के शिक्षक थे । एक शिक्षक के रूप उन्होंने अपने जीवन के बहुमूल्य चालीस साल बिताए। एक शिक्षक बतौर वे अपनी कक्षाओं में बीस देर से और दस मिनट पहले अपनी कक्षा छोड़ दिया करते थे। वे भारत के प्रथम उपराष्ट्रपति और दूसरे राष्ट्रपति तो थे ही। पर उनकी वक्तृत्व क्षमता इतनी ओजस्वी और प्रभावी थी कि जवाहरलाल नेहरू की यह दिली ख्वाहिश थी कि भारत की आजादी के अवसर पर रात्रि 12:00 बजे के पहले वे भारत की जनता को संबोधित करें। 15 अगस्त सन् 1947 को रात्रि के ठीक 12:00 बजे का समय थे।उनकी यह भी इच्छा थी कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में ही मनाया जाए, इसलिए भारत सरकार द्वारा सन् 1962 से उनका जन्मदिन 5 सितंबर इसी रूप में मनाया जाता है। राधाकृष्णन का जन्म 5 सितम्बर सन् 1888 को आंध्रप्रदेश के तिरूतनी गांव में एक ब्राह्मण परिवार में हुआ था। सन् 1960 तक यह गांव आंध्रप्रदेश का हिस्सा रहा। और इसके बाद तमिलनाडु प्रांत में शामिल हुआ। राधाकृष्णन की वक्तृत्व क्षमता से प्रभावित होकर इंग्लैंड के एच एन स्पाल्डिंग ने ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालय में सन् 1936 में 'इस्टर्न रिलिजन एंड एथिक्स' का चेयर की स्थापित किया। दर्शनशास्त्र के प्रोफेसर के रूप में राधाकृष्णन ने स्वामी विवेकानंद के बाद पश्चिम और पूर्व के बीच एक सेतु का काम किया। दर्शनशास्त्र पर उनकी कई महत्वपूर्ण पुस्तकें हैं- जिनमें कुछ के नाम हैं -हिस्ट्री ऑफ इंडियन फिलासफी, इस्टर्न रिलिजन एंड वेस्टर्न थॉट, आइडियलिस्टिक व्यू विनोबा के बाद कोई बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन इस देश में खड़ा नहीं हो पाया। नब्बे के दशक के बाद नयी अर्थव्यवस्था के दौर में हमारे नैतिक मूल्यों का जीवन के हर क्षेत्र में जिस तरह से क्षरण हुआ है, उसकी कोई मिसाल नहीं है। इसलिए राधाकृष्ण का यह कहना कि। - ठआध्यात्मिक आकांक्षाओं की उपेक्षा हम बहुत दिनों तक नहीं कर सकते, क्योंकि वर्तमान व्याधि और अराजकता की स्थिति बहुत दिन तक टिक नहीं सकती। समकालीन भारतीय दार्शनिक के रूप में राधाकृष्णन की पहचान 'धार्मिक आध्यात्मवादी' के रूप में किया जाता है। भौतिकवादियों की आलोचना करते हुए वे अपने धार्मिक आध्यात्मवाद की प्रतिष्ठा करते हैं। उनका मानना है कि नीति, प्रेरणा, परोपकार, दया और करुणा जैसे नैतिक मूल्य अध्यात्मिकता से संबद्ध आकांक्षाएं हैं। भौतिक संसाधनों से तो इन्हें विकसित नहीं किया जा सकता। भौतिकवादी अनुभवातीत स्रोतों से प्राप्त होने वाले मानवतावाद को ही स्वीकार नहीं करते हैं। इस अर्थ में मानवतावाद जिस सत् की अवमानना करता है, वह जीवन का आधारभूत सत्य है धर्म और नीति का संबंध भी उससे है। राधा कृष्ण का मानना है कि-ठजिन मूल्यों को मानवतावाद स्वीकार करता है, उन्हें अतीन्द्रिय सत् से सम्बद्ध करने का कार्य धर्म का है , तभी ये मूल्य हमारे जीवन में सार्थक हो सकेंगे और तभी हमारी आस्था सबल और स्थायी हो सकेगी। बिना निष्ठा का कोई काम संपनन नहीं होता और निष्ठा का अंतिम स्रोत 'अध्यात्म' ही है। ज्यादातर पाश्चात्य दार्शनिक विश्व की व्याख्या करते हुए भौतिकवाद की तरफ ही आकर्षित हुए हैं। राधाकृष्णन 'वर्तमान धर्म संकट' नामक अपने एक लेख में बर्ट्रेंड रसेल के हवाले से बताते हैं कि- प्रो जी ई मूर अपने एक लेख में लिखते है कि आरंभ में पदार्थ ही था, पदार्थ से शैतान पैदा हुआ और शैतान ने ईश्वर को जन्म दिया। और ईश्वर मर गया; उसके बाद शैतान मरा और फिर पदार्थ ही शेष रह गया। इस पदार्थ का अस्तित्व सर्वत्र इतना व्यापक हो गया कि जर्मन दार्शनिक नीत्शे ने बहुत पहले ही घोषणा कर दी थी कि 'ईश्वर मर चुका है।' पाश्चात्य दर्शन में भौतिक पदार्थों की सत्ता लगभग सर्वमान्य है। जबकि भारतीय दर्शन में धरती पर मनुष्य की सत्ता से श्रेष्ठ कुछ भी नहीं है। महाभारत के एक श्लोक में कहा गया है कि- 'न मानुषात् श्रेष्ठतरं हि किंचित' भारतीय ज्ञान परंपरा में हम प्रशन और उत्तर के द्वारा किसी समाधान तक पहुंचाते हैं। पर यह समाधान भी कोई अंतिम समाधान नहीं होता। इसमें नित्य परिष्कार की संभावना सदा बनी रहती है। अपने अध्ययन के दौरान राधाकृष्णन को यह एहसास हुआ कि कुछ ईसाई संस्थाएं हिंदू धर्म को हेय दृष्टि से दखती हैं। इस आरोप को खारिज करते हुए राधाकृष्णन कहते है कि - ठभारतीय आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा धर्म, ज्ञान और सत्य पर आधारित है। सभी धर्मों के प्रति सम्मान का भाव हिंदू संस्कृति की विशेषता रही है। यह विश्व एक विद्यालय है इस विद्यालय में शिक्षा के द्वारा मानव मस्तिष्क का बेहतर इस्तेमाल किया जा सकता है। यह हम पर निर्भर करता है कि हम किस तरह मानवीय सभ्यता का विकास होते हुए देखना चाहते हैं और उसमें अपनी कल्याणकारी भूमिका कैसे निभाते है। मात्र उपदेश देने से ही हमारे कर्तव्यों की इति श्री नहीं हो जाती है।

दुष्कर्म और न्यायालयः महिलाओं के खिलाफ हिंसा के मामलों में देरी से न्याय और राष्ट्रपति की संवेदनशीलता

राष्ट्रपति ने आम आदमी की पीड़ा को अभिव्यक्ति दी है। उनके इस भाषण को अजमेर के चर्चित छात्राओं के ब्लैकमेल कर रेप करने की घटना से जोड़ दें तो स्थिति उससे भी भयावह दिखती है, जिस ओर राष्ट्रपति जी का इशारा है। जब रेप जैसे मामलों में तत्काल न्याय नहीं मिलता तो लोगों का भरोसा उठ जाता है। अदालतों में तारीख पर तारीख की संस्कृति को बदलने और त्वरित न्याय सुनिश्चित करना जरूरी है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ये बातें न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में कहीं। सुप्रीम कोर्ट की 75 वीं वर्षगांठ पर नई दिल्ली में इसका आयोजन किया गया था। उन्होंने कहा कि जब रेप जैसे मामलों में कोर्ट का फैसला एक पीढ़ी गुजर जाने के बाद आता है, तो आम आदमी को लगता है कि न्याय की प्रक्रिया में कोई संवेदनशीलता नहीं बची है। राष्ट्रपति ने आम आदमी की पीड़ा को अभिव्यक्ति दी है। उनके इस भाषण को अजमेर के चर्चित छात्राओं के ब्लैकमेल कर रेप करने की घटना से जोड़ दें तो स्थिति उससे भी भयावह दिखती है, जिस ओर राष्ट्रपति जी का इशारा है। अजमेर में करीब 34 वर्ष पूर्व 100 से अधिक स्कूली छात्राओं से ब्लैकमेल कर दुष्कर्म किया जाता था। कहते हैं इसमें अजमेर शरीफ दरगाह कमेटी से जुड़े कई लोगों के नाम भी आए थे। इसलिए पुलिस ने पहले रुचि नहीं ली। आंदोलन के बाद केस दर्ज हुए। 32 वर्ष बाद, अभी एक माह पूर्व उसका फैसला वहां की अदालत ने सुनाया। यह स्वाभाविक सवाल सबके मन में उठेगा की 32 वर्षों तक आखिर कोर्ट क्या करता रहा? कोर्ट के फैसले को क्या न्याय कह सकते हैं? यह तो न्याय का उपहास है। उन पीड़ित बच्चियों का उपहास है। यह क्यों न माना जाए की फैसला देने में विलंब करके प्रभावशाली दुष्कमियों को संरक्षण दिया गया? रेप समेत सभी केसों में यही स्थिति है। अदालतें सिर्फ तारीख पर तारीख देती हैं। उन्हें इसमें जरा भी लज्जा महसूस नहीं होती। मुख्य न्यायाधीश से लेकर निचली अदालतों के जज तक पेंडिंग केसों का रोना रोते रहते हैं। लेकिन सच तो यह है कि केसों के पेंडिंग होने के लिए जजों की कार्यप्रणाली ही जिम्मेवार है। मामूली केसों में भी लंबे लंबे डेट दिए जाते हैं। जानबूझ कर केसों को लटकाए रखा जाता है। देश की विभिनन अदालतों में अभी 5 करोड़ से अधिक मुकदमें पेंडिंग हैं। खेद के साथ कहना पड़ता है कि इसके लिए सिर्फ अदालतों में बैठे हाकिम जिम्मेवार हैं। रेप और हत्या जैसे गंभीर अपराधों पर भी अदालतें गंभीर नहीं होती। यही वजह है कि अजमेर रेप कांड में 32 साल बाद सजा सुनाई गई। चर्चित निभय्य केस में अपराधी को 12 वर्ष बाद फांसी दी जा सकी। देश में रेप की बढ़ती घटनाओं के पीछे देरी से सजा मिलना भी एक बड़ी वजह है। दुष्कर्मी जानता है की वह मुकदमें को जितने साल चाहे लंबा खिंच सकता है। इस बीच पीड़ित को डरा धमकाकर केस को कमजोर कर दिया जाता है और अन्ततः दुष्कर्मी बरी हो जाता है। कोर्ट की सुस्ती से अपराधियों का हौसला बढ़ता है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता। साथ ही कानून का डर भी खत्म हो जाता है। ँ के मुताबिक देश में प्रति 16 मिनट पर एक रेप और हर घंटे महिलाओं के विरुद्ध 50 अपराधिक घटनाएं हो रही हैं।रेप केस में 2 माह के अंदर जांच पूरी कर लेनी है। लेकिन पुलिस ऐसा नहीं करती। निभय्या केस फास्ट ट्रैक कोर्ट में चला तब भी दोषियों को फांसी देने में 12 साल लगे।इस आलोक में यह क्यों न माना जाए की आज अदालतें गुनहगारों के साथ खड़ी हैं, पीड़ितों के साथ नहीं किसी भी सभ्य समाज के लिए यह शर्मनाक स्थिति है। क्या राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू की बातें न्यायाधीशों की अंतरात्मा को जगा पाएंगी? क्या यह उम्मीद की जाए की अदालतों की तारीख पर तारीख वाली कार्यशैली में सुधार होगा? रेप और हत्या के मुकदमों में एक साल के अंदर फैसला आएगा? या फिर इस कान से सुना उस कान से निकल जाएगा? महामहिम राष्ट्रपति जी की तरह देश के लाखो पीड़ित-शोषित आपकी ओर बहुत उम्मीद से देख रहे हैं मीलॉर्ड, कुछ तो कीजिए! सिर्फ नया झंडा और नया प्रतीक चिन्ह धारण कर लेने से कुछ नहीं होगा जबतक कार्य प्रणाली नई नहीं होगी।

ADHUNIK TUTORIALS

" FOR THE STUDENTS, FROM A STUDENT "

FOR CLASSES 1st 5th

(ADMISSION OPEN)

FACILITIES

- Air Conditioned & Well Furnished Classroom
- Water Cooler Available
- Hygienic Washrooms
- CCTV for Safety Purposes
- In Campus Parking

Dr. (Er)PuneetArora (HON. DIRECTOR)
(B.Tech, M. Tech, MBA , Ph.D)
Awarded with ' Young Scientist & Best Teachers, Author of Many Books Chapters, Research Paper, Patent & Trademarks

Ms.Nilanjana Arora (Assistant Director)

- Ex. Student of Bethany Convent School, Bishop Johnson School & College, Girl's High School & College
- Pursuing B.Tech
- Awarded by TCS
- Certification in the Field of Web Development and Machine Learning .

Ms. Riya Arora (Counsellor)

- Ex. Student of Delhi Public School.
- Subject Topper of Delhi Public School
- Pursuing LLB from University of Allahabad .

Address: B-Block, ADA Colony, Mtek Campus, Naini, Prayagraj .

Contact :- Call and Whatsapp: 8542919234

भंगेल सलारपुर व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन ने अधिकारियों के संग की बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नोएडा। भंगेल सलारपुर व्यापारी वेलफेयर एसोसिएशन ने विभिनन समस्याओं को लेकर प्राधिकरण

के अलग अलग विभाग के अधिकारियों के साथ भंगेल में एक बैठक की। बैठक की अध्यक्षता एसोसिएशन के अध्यक्ष मनोज गोयल ने की। इस अवसर पर व्यापारियों ने अधिकारियों के समक्ष समस्याओं को रखा। जिसमें प्रमुख रूप से सही तरीके से सफाई नहीं हो रही है और ना ही कूड़े को उठाया जा रहा है और नालों की सफाई नहीं हो रही है। नाले खुले हुए हैं जिससे आए दिन हादसे होते रहते हैं इसलिए नालों को पाटा जाए, रेहड़ी पटरी वालों ने एलिवेटेड रोड और गेझा रोड पर इतना अतिक्रमण कर रखा है कि पैदल चलना भी दूभर हो रहा है, एलिवेटेड रोड बनने में लापरवाही के कारण लगातार देरी हो रही है जिससे व्यापारी बहुत परेशान हैं, एलिवेटेड रोड बनाने वाले सुरक्षा का ध्यान नहीं रख रहे हैं ऊपर से लोहे की रॉड गिर गई साथ ही बेल्डिंग की आग भी गिरती रहती है, विद्युत कटौती रोजाना काफी समय के लिए हो रही है। इसके अलावा कई समस्याओं को व्यापारियों ने उठाया। व्यापारियों ने समस्याओं से संबंधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंपा। अधिकारियों में वर्क सर्किल आठ के वरिष्ठ प्रबंधक अनिल कुमार,जन स्वास्थ्य के वरिष्ठ प्रबंधक आर के शर्मा, सेतु निगम से परियोजना प्रबंधक सुधीर कुमार भारद्वाज, सहायक अभियंता कवेंद्र सिंह , विद्युत अभियंता मुकेश कुमार, स्वास्थ्य निरीक्षक राकेश भाटी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे जिन्होंने समस्या के शीघ्र निस्तारण का आश्वासन दिया। इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे, संदीप चौहान, पंकज गुप्ता, सतपाल गर्ग, मनोज शर्मा, बाबूलाल बंसल, ज्ञान चंद, नासिर खान, राजेश शर्मा, अंकित त्यागी, पुष्पेंद्र बंसल, विनोद सिंह, सुरेंद्र गौतम, ह्रदेश गोयल, मुकुल कंसल, अरुण गोयल, प्रवीन अग्रवाल, जयराज भाटी, विजय , मोहन सहित तमाम व्यापारी एवं स्थानीय लोग मौजूद रहे।

वेतन वृद्धि पर एमएसआरटीसी कर्मचारियों की हड़ताल का दूसरा दिन, सीएम शिंदे करेंगे अहम बैठक

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। एमएसआरटीसी के प्रवक्ता ने बताया कि 11 ट्रेड यूनियन की एक्शन कमेटी द्वारा बुलाई गई हड़ताल के कारण 251 बस डिपो में से 63 पूरी तरह से बंद थे, 73 आंशिक रूप से और बाकी के 115 पूरी तरह से चालू थे। वेतन वृद्धि और अन्य मांगों को लेकर महाराष्ट्र राज्य परिवहन निगम (एमएसआरटीसी) के कर्मचारियों की हड़ताल बुधवार को भी जारी रही। इस हड़ताल से लाखों यात्रियों को असुविधा हो रही है। महाराष्ट्र में गणेश उत्सव शुरू होने वाला है, लेकिन एमएसआरटीसी के कर्मचारियों की हड़ताल से यातायात सेवाएं प्रभावित हो गईं। बता दें कि कर्मचारी राज्य सराकारी कर्मचारियों के साथ वेतन समानता की मांग कर रहे हैं। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने इस मुद्दे को सुलझाने के लिए बुधवार की शाम को सह्याद्री गेस्ट हाउस में एमएसआरटीसी नेताओं के साथ

बैठक बुलाई है। एमएसआरटीसी के प्रवक्ता ने बताया कि 11 ट्रेड यूनियन की एक्शन कमेटी द्वारा बुलाई गई हड़ताल के कारण 251 बस डिपो में से 63 पूरी तरह से बंद थे, 73 आंशिक रूप से और बाकी के 115 पूरी तरह से चालू थे। इस हड़ताल के कारण राज्य भर के नागरिकों को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। नियमित सेवाओं के अलावा गणेश पूजा विशेष बसों का संचालन भी प्रभावित हुआ है। गणेश पूजा सात सितंबर से शुरू होने वाला है, जो कि 10 दिनों तक चलेगा। एमएसआरटीसी के अधिकारी ने कहा कि यात्रियों द्वारा बुक की गई 4,300 सेवाओं समेत कुल पांच हजार अतिरिक्त त्योहार विशेष बसें तीन से सात सितंबर के बीच मुंबई, ठाणे और पालघर से संचालित होने वाली थी। एमएसआरटीसी प्रशासन ने कहा कि औद्योगिक न्यायालय ने इस हड़ताल को अवैध घोषित कर दिया है। इसके साथ ही अदालत ने कर्मचारियों को काम पर लौटने के भी आदेश दिए। निगम ने अधिकारियों को इच्छुक कर्मचारियों को काम पर लौटने से रोकने वाले लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का भी निर्देश दिया है।

मैं उन्हें बिना रुकावट के बोलने दूंगा, हैरिस के साथ होने वाली बहस पर डोनाल्ड ट्रंप

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

अमेरिका । डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को पेनसिल्वेनिया के हैरिसबर्ग में एक टाउन हॉल की बैठक की। इस दौरान उन्होंने कहा कि वह कमला हैरिस को बोलने देंगे। अमेरिका में पांच नवंबर को राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होने है। ऐसे में, रिपब्लिकन की ओर से डोनाल्ड ट्रंप और डेमोक्रेटिक पार्टी की ओर से कमला हैरिस मैदान में है। दोनों के बीच अगले सप्ताह बहस होने वाली है। ऐसे में पूर्व राष्ट्रपति का कहना है कि वह अपनी प्रतिद्वंद्वी हैरिस को बिना किसी रुकावट के बोलने की योजना बना रहे हैं। बता दें, बहस पेंसिल्वेनिया के सबसे बड़े शहर फिलाडेल्फिया में होगी। डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को पेनसिल्वेनिया के हैरिसबर्ग में एक टाउन हॉल की बैठक के दौरान कहा, 'मैं उन्हें बोलने दूंगा। बहस दिलचस्प होती है। आप अपनी सभी रणनीतियों के साथ जा सकते है, लेकिन आपको इसे महसूस करना होगा।'एक अमेरिकी टीवी न्यूज चैनल पर 10 सितंबर को दोनों उम्मीदवारों के बीच बहस होगी। यह बहस दोनों के लिए बड़ी परीक्षा है। हालांकि, ट्रंप पहले ही आरोप लगा चुके हैं कि यह टीवी चैनल उपराष्ट्रपति हैरिस के पक्ष में है। बता दें, न्यूज चैनल ने बुधवार को बहस के नियम जारी किए, जिसे दोनों उम्मीदवारों के अभियानों द्वारा स्वीकार कर लिया गया है। हालांकि, ट्रंप बहस के लिए अपनी योजनाओं को थोड़ा बदलते दिख रहे हैं। ट्रंप ने अतीत में राष्ट्रपति अभियान द्वारा नियोजित बहस योजना का विरोध किया है, जिसमें विस्तृत नीति ब्रीफिंग और नकली आदान-प्रदान शामिल है। इसके बजाय, उन्होंने अपनी टीम से कम औपचारिक तैयारी करवाना और अपने ज्ञान पर अधिक भरोसा करना पसंद किया।

बॉलीवुड/टेली मसाला

मुंबई टूर में करण औजला के साथ शामिल होंगे विक्की कौशल एक परफॉर्मेंस के लिए ली भारी भरकम फीस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'बैड न्यूज़' हाल ही में रिलीज हुई बॉलीवुड कॉमेडी ड्रामा है, जिसमें एनिमल फेम तृप्ति डिमरी, विक्की कौशल और एमी विर्क मुख्य

भूमिकाओं में हैं। आनंद तिवारी द्वारा निर्देशित यह फिल्म फिर से सुखिय्यां बटोर रही है। यह फिल्म 19 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। इसके बाद अब यह फिल्म ओटीटी पर धमाल मचा रही है। फिल्म का गाना 'तौबा-तौबा' अभी भी दर्शकों जुबां पर चढ़ा हुआ है। अब खबर आ रही है कि आने वाले दिनों में विक्की और सिंगर करण औजला की जोड़ी एक बार फिर धमाल मचाने वाली ह विक्की कौशल और करण औजला की जोड़ी ने 'बैड न्यूज़' के लिए तौबा तौबा गाने पर काम किया था, जिसने लोगों को काफी आकर्षित किया। अब यह उत्साह जारी रहने वाला है, क्योंकि हाल ही में आई रिपोर्ट्स बताती हैं कि विक्की कौशल कथित तौर पर अपने 'इट वाज ऑल ए ड्रीम' के मुंबई टूर के दौरान करण औजला के साथ जुड़ने के लिए तैयार हैं। मुंबई शो 21 दिसंबर, 2024 को होगा। बॉलीवुड हंगामा की एक रिपोर्ट के अनुसार मुंबई टूर फैंस के लिए एक अलग कार्यक्रम बन रहा है, जिसमें विक्की कौशल की सरप्राइज उपस्थिति के बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं। हालांकि अभी तक इस खबर की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, लेकिन प्रशंसक इस अनोखी जोड़ी को देखने के मौके का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। विक्की कौशल और करण औजला की जोड़ी ने तब हलचल मचा दी थी जब गायक ने कौशल की फिल्म 'बैड न्यूज़' के लिए ट्रैक तौबा तौबा रिलीज किया था। बता दें कि कनाडा और यूनाइटेड किंगडम में पहले से ही शो की सारी टिकटें बिक चुकी हैं, यह टूर एक शानदार कार्यक्रम होने वाला है, जिसका भव्य समापन मुंबई में होने वाला है। मालूम हो कि यह टूर चंडीगढ़, बेंगलुरु, दिल्ली एनसीआर और मुंबई में 7 से 21 दिसंबर, 2024 तक आयोजित किया जाएगा। रिपोर्ट्स बताती हैं कि औजला को भारत में अपने पहले टूर के लिए 2 मिलियन अमरीकी डॉलर (लगभग 16.79 करोड़ रुपये) का भुगतान किया गया है।

तमन्ना ने राधा-कृष्ण फोटोशूट की तस्वीरें हटाईं, रिवीलिंग आउटफिट के चलते हुई ट्रोल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। अभिनेत्री तमनन भाटिया जहां एक तरफ 'स्त्री 2' के गाने 'आज की रात' के लिए

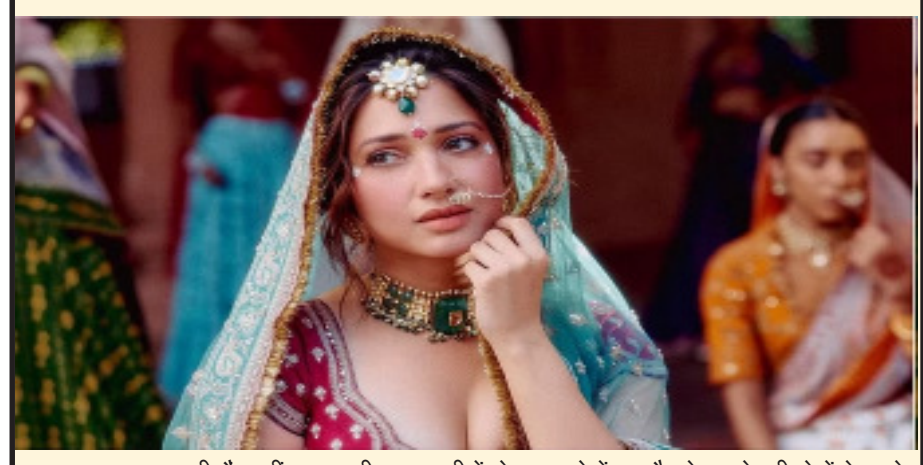

सराहना प्राप्त कर रही हैं। वहीं, दूसरी ओर वह ट्रोलिंग का भी शिकार हुईं। नेटिजन्स ने जमकर उनकी आलोचना की है। दरअसल, अभिनेत्री ने एक मशहूर फैशन लेबल के लिए राधा-कृष्ण थीम पर फोटोशूट किया, जिसमें वह राधा बनी थीं। नेटिजन्स ने अभिनेत्री पर आरोप लगाया कि जिस उन्होंने राधा को गलत तरीके से पेश किया। हालांकि, आलोचनाओं के बाद अब तमनन ने उन तस्वीरों को हटा दिया है। यह सब तब शुरू हुआ जब तमनन फैशन डिजाइनर करण तोरानी के अभियान 'लीलाः द डिवाइन इल्यूजन ऑफ लव' में दिखाई दीं, जिसमें भगवान कृष्ण और राधा के बीच प्रेम के विभिन्न चरणों को दिखाया गया था। जहां एक तरफ उनकी इन तस्वीरों ने कुछ लोगों को मंत्रमुग्ध किया, वहीं, सोशल मीडिया पर एक वर्ग ने उनके खिलाफ अभियान चलाते हुए आलोचना भी की। यूजर्स ने तमनन और डिजाइनरों की जमकर आलोचना की, जिसके बाद उन्हें वह तस्वीरें हटानी पड़ी। एक यूजर ने लिखा कि अपनी बिक्री के लिए हमारी प्यारी राधा रानी और श्री कृष्ण के सबसे शुद्ध रिश्ते को गलत तरीके से पेश करना बंद करो। वहीं, एक अन्य नेटिजन ने एक वीडियो शेयर किया, जिसमें उन्हें स्क्रीन पर राधा का किरदार निभाने के लिए 'रिवीलिंग' आउटफिट पहनने के लिए अभिनेत्री की आलोचना करते हुए देखा जा सकता है। जैसे ही ऑनलाइन बैकलैश और अभियान ने जोर पकड़ना शुरू किया, तमनन और लेबल तोरानी दोनों ने अपने-अपने सोशल मीडिया हैंडल से फोटो और वीडियो हटा दिए। तमनन के वर्क फ्रंट की बात करें तो वह हाल ही में ब्लॉकबस्टर फिल्म, 'स्त्री 2' में उन्हें एक विशेष भूमिका निभाते हुए देखा गया था। फिल्म में, उन्होंने 'आज की रात' गाने में अभिनय किया और उनके डांस ने इंटरनेट पर सनसनी मचा दी। वहीं, वह जॉन अब्राहम की स्वतंत्रता दिवस पर रिलीज हुई फिल्म 'वेदा' का भी हिस्सा थीं, जो बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर पाई।

विजय और अमिताभ को पछाड़ सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले सितारे बने किंग खान, सूची में दिखा बड़ा फेरबदल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। फॉर्च्यून इंडिया ने सबसे ज्यादा टैक्स भरने वाले सितारों की सूची जारी की है। इसमें शाहरुख खान, दलपति विजय, अमिताभ

बच्चन और सलमान खान जैसे सितारों को पीछे छोड़ नंबर 1 पर आ गए हैं। शाहरुख खान बॉलीवुड के किंग हैं और इस बात से कोई इनकार नहीं कर सकता। ताजा रिपोर्ट की मानें तो सुपरस्टार वित्तीय वर्ष 2024 के लिए सबसे अधिक टैक्स भुगतान करने वाले सेलिब्रिटी के रूप में उभरे हैं। अमिताभ बच्चन, अक्षय कुमार और दलपति विजय को पीछे छोड़ते हुए वह 92 करोड़ रुपये के योगदान के साथ सूची में नंबर वन पायदान पर हैं। रिपोर्ट फॉर्च्यून इंडिया द्वारा प्रकाशित की गई है। शाहरुख खान के बाद सूची में दूसरा नाम साउथ सुपरस्टार दलपति विजय का है। 80 करोड़ रुपये के टैक्स भुगतान के साथ विजय इस सूची में नंबर दो पर काबिज हैं। वहीं, सलमान खान 75 करोड़ रुपये टैक्स भरते हुए इस सूची में तीसरे पायदान पर हैं। कथित तौर पर, अनुभवी अभिनेता अमिताभ बच्चन ने 71 करोड़ रुपये के टैक्स भुगतान के साथ चौथा स्थान हासिल किया। नाग अश्विन के निर्देशन में बनी ब्लॉकबस्टर फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में मेगास्टार की हालिया भूमिका ने उनकी कमाई को बढ़ा दिया है। सूची में मनोरंजन जगत के सितारों के साथ-साथ क्रिकेट जगत की हस्तियां भी शामिल हैं। क्रिकेटर विराट कोहली ने 66 करोड़ रुपये का योगदान देकर सूची में पांचवां स्थान हासिल किया। बॉलीवुड अभिनेता अजय देवगन और रणबीर कपूर भी इस सूची का हिस्सा हैं, जिन्होंने 42 करोड़ रुपये और 36 करोड़ रुपये का कर भुगतान किया है। इस सूची में कॉमेडियन कपिल शर्मा और बॉलीवुड सितारे करीना कपूर, शाहिद कपूर और कैटरीना कैफ सहित कई अन्य हस्तियां भी शामिल हैं, जिनका कर योगदान 11 करोड़ रुपये से 26 करोड़ रुपये तक है।

विक्रम ने कहा- मशहूर होने के बाद दोस्त बनाना मुश्किल, पावरफुल स्टार के तौर पर छाप छोड़ना लगता है अच्छा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। दक्षिण भारतीय अभिनेता विक्रम की नई फिल्म 'तंगलान' सिनेमाघरों में लगी हुई है। इसे 15 अगस्त को रिलीज

किया गया था। फिल्म का निर्देशन पा रंजीत ने किया है। विक्रम ने हाल ही में दिए एक साक्षात्कार में बताया कि उन्हें एक दमदार स्टार के तौर पर छाप छोड़ना अच्छा लगता है। इसके लिए वो अपने साथ एक दल को लेकर चलते हैं इस बात को हर सिनेमाप्रेमी जानता है कि फिल्म इंडस्ट्री में रजनीकांत एक बहुत बड़ा नाम है, लेकिन विक्रम उनसे कुछ मामलों में आगे हैं। रजनीकांत के पास एक समय, जब एक बॉडीगार्ड ही होता था तो विक्रम के पास पांच लोग होते थे। इतना ही नहीं उन्होंने रजनीकांत से पहले ही वैनिटी वैन की मांग रख दी थी। विक्रम ने रणवीर इलाहाबादिया को दिए साक्षात्कार में अपने से जुड़ी ये दिलचस्प बातें साझा हुए कहा कि वो इस स्टार वाले तामझाम का आनंद लेते हैं। उन्हें एक कारवां के साथ चलना पसंद हैं। उन्होंने यह भी बताया कि मशहूर होने के बाद दोस्त बनाना लगभग मुश्किल हो जाता है। वो अपनी प्रोफेशनल जिंदगी को निजी जिंदगी से अलग रखकर चलते हैं। अक्सर फिल्मी सितारों को उनके फैंस की भीड़ रास्ते में घेर लेती है। आए दिन इस तरह के वीडियो सामने आते रहते हैं। इस मामले पर विक्रम का कहना है कि उन्होंने इतना मशहूर होने के लिए मेहनत की है और उन्हें लोगों द्वारा घेरे जाने से फर्क नहीं पड़ता है। 58 साल के विक्रम कॉलीवुड के मशहूर अभिनेता हैं। उनके पिता विनोद राज भी अभिनेता थे। विक्रम के अभिनय करियर की बात करें तो उन्होंने आई, महान, मीरा, ध्रुवम, माफिया, स्ट्रीट, हाउसफुल, सेतु, इंद्रियम,, रेड इंडियंस, किंग, धूल, जेमिनी, भीमा, डेविड, स्केच और कोबरा समेत कई फिल्मों में काम किया है। उनकी आने वाली फिल्म का नाम 'वीर धीरा सूरनः पार्ट 2' है।

जरूरत से ज्यादा लंबी फिल्म में बेअसर रहा विजय का डबल रोल, हिंदी डबिंग की दिक्कतें सबसे ज्यादा

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। हिंदी भाषी दर्शकों के लिए तमिल सिनेमा उनके उतना करीब नहीं है, जितना कि बरसों

तक ठेठ मसाला हिंदी फिल्मों से भी मसालेदार फिल्में बनाता रहा तेलुगु सिनेमा है। विजय जोसफ को 'दलपति' विजय के नाम से हिंदी भाषी दर्शक पहचानते हैं, ये जाने बिना कि दलपति सिर्फ एक विशेषण है, नाम नहीं। थलाइवा और थलाइवर का फर्क भी शायद ही हिंदी सिनेमा देखने वाले जानते हों या जानना भी चाहते हों। विजय का इरादा जल्द ही तमिलनाडु की सियासत में कूदने का है। पार्टी वह बना चुके हैं। अगली फिल्म के बाद सिनेमा से संन्यास का फैसला भी वह बता चुके हैं। बतौर अभिनेता विजय की इस आखिरी से ठीक पहले की फिल्म यानी 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' को लेकर दर्शकों मे बेचैनी होनी स्वाभाविक है। लेकिन, एक दिक्कत यहां भी है और वह ये कि ये फिल्म बड़े मल्टीप्लेक्स में हिंदी में रिलीज नहीं हो रही है। हिंदी फिल्में प्रदर्शित करने वाले मल्टीप्लेक्स चाहते हैं कि किसी भी अभिनेता की फिल्म के सिनेमाघरों में रिलीज होने और ओटीटी पर आने के बीच कम से कम आठ हफ्ते का समय होना चाहिए। ऐसा फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' के साथ नहीं हो रहा है। ओटीटी पर आने की ये जल्दी ही इस फिल्म में इसे बनाने वालों के दरके भरोसे की पहली निशानी है। कहानी फिल्म की कुछ कुछ वैसी ही है जैसी फिल्म 'टाइगर 3' में सलमान खान और उनके परिवार के साथ दर्शक देख चुके हैं। बस वहां टाइगर का बेटा बड़ा नहीं हुआ है। यहां भी रॉ की एक स्पेशल यूनिट सैट्स (स्पेशल एंटी टेररिस्ट स्क्वॉड) का एक एजेंट गांधी आराम की जिंदगी जी रहा है। अतीत उसे वापस एक्शन में लाता है। और, इस यूनिवर्स की उसकी अपनी कुछ ऐसी बातें भी हैं, जिनके एक एक कर सामने आते रहने से फिल्म इंटरवल तक रफ्तार से भागती रहती है।फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ आल टाइम' की असल कमजोरी इसका इंटरवल के बाद के हिस्से की पटकथा, इसमें ठूंसे गए अनावश्यक गाने और जरूरत से ज्यादा लंबी सड़कों पर पीछा करने वाले दृश्य (चेज सीक्वेंसेज) हैं। निर्देशक वेंकट प्रभु की ये फिल्म अभिनेता विजय की एटली के साथ बनते बनते बंद हो गई फिल्म के बाद शुरू हुई। दोनों की ट्यूनिंग पुरानी है और दोनों ने कहानी का मूल विचार लॉक करने के साथ ही तय कर लिया था कि ये फिल्म बनानी है। फिल्म बनानी है, इसके लिए वेंकट प्रभु ने एक कहानी लिखी। कुछ और लोगों को साथ जोड़कर इसकी पटकथा और संवाद पूरे किए। और, साथ में आए तमिल सिनेमा के चर्चित संगीतकार युवान शंकर राजा, सिनेमैटोग्राफर सिद्धार्थ नुनी और फिल्म संकलक वेंकन राजन। कोई तीन सौ करोड़ रुपये में बनी इस फिल्म ने इतनी रकम रिलीज से पहले ही सैटेलाइट और ओटीटी राइट्स से जुटा ली है। सिनेमाघरों से जो कुछ आने वाला वह सब मुनाफा है। विजय को दलपति नाम जैसा जंचने वाला सुपर सितारा बनाने की फिल्म में कोशिशें तमाम हैं। लेकिन, फिल्म के बाकी कलाकारों में नेहा से लेकर मीनाक्षी और प्रभुदेवा से लेकर योगी बाबू तक सब यहां उनके आभामंडल में छिपते-चमकते नक्षत्रों से ज्यादा कुछ नहीं हैं निर्देशक वेंकट प्रभु से गलती फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में ये हुई है कि फिल्म को भव्य बनाने के चक्कर में वह विश्वभ्रमण पर तो निकल गए लेकिन जो घटनाएं यहां विदेश में दिखाई जा रही है, उनका कोई खास असर फिल्म का आकर्षण बढ़ाने पर पड़ता नहीं है। कहानी उन्हीं की है और इसमें मौलिकता सिर से गायब है। 'बेटे को हाथ लगाने से पहले बाप से बात कर' जैसा करंट भी इसके संवादों में नहीं है। एक जैसे दिखते बाप-बेटों की इस कहानी में एक्शन और गाने निकाल दिए जाएं तो फिर फिल्म में कुछ बचता नहीं है। एक्शन सीन जरूरत से ज्यादा लंबे होने के चक्कर में च्युइंग गम बन चुके है और गाने जैसे ही आते हैं, कहानी का प्रवाह खत्म कर देते हैं। फिल्म करीब तीन घंटे की है और सुनते हैं कि ये तब है जब इसका करीब 20 मिनट का हिस्सा फिल्म में ओटीटी रिलीज के समय जोड़े जाने के लिए बचा लिया गया है। तृषा और शिव कार्तिकेयन के स्पेशल अपीयरेंस का कोई फायदा नहीं होता। फिल्म में एआई के जरिये सीनियर कलाकार विजयकांत को भी लाया गया है। फिल्म की हिंदी डबिंग का अंदाजा इसके ट्रेलर से ही लग गया था और इस निराशा को दूर करने के लिए फिल्म में भी खास कुछ किया नहीं गया है। इसमें कोई दो राय नहीं कि अभिनेता विजय (जोसफ) को तमिल सिनेमा में बड़ा स्थान हासिल है। उनके प्रशंसक अक्सर उनकी लोकप्रियता की तुलना रजनीकांत से करते रहे हैं, लेकिन रजनीकांत की जो फैन फॉलोइंग गैर तमिलभाषी दर्शकों में है, वहां तक पहुंचने के लिए निकलने में विजय को शायद देर हो चुकी है। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में अपनी पार्टी के साथ मैदान में उतरने की तैयारी कर रहे विजय की हर फिल्म अब उनकी सियासी तैयारी के नजरिये से ही देखी जानी है और ऐसे में फिल्म 'द ग्रेटेस्ट ऑफ ऑल टाइम' में उनकी युवा भूमिका युवा दर्शकों को आकर्षित भी करती है, पर सीनियर एजेंट गांधी के किरदार में वह अपना उतना असर नहीं छोड़ पाते है। पटकथा, निर्देशन के बाद फिल्म की तीसरी सबसे कमजोर कड़ी है इसका संगीत, जिसका एक भी गाना फिल्म की गति को सहारा नहीं दे पाता है।

कार्तिक आर्यन ने सारा को सबके सामने लगाया गले अनन्या पांडे का रिएक्शन हुआ वायरल

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे की सीरीज 'कॉल मी बे' के प्रीमियर पर कई सेलेब्स नजर आए, लेकिन सबकीं निगाहें जाकर ठहर गईं जब कार्तिक आर्यन ने सारा अली खान को गले लगाया। इस दौरान सारा और कार्तिक को

एक साथ यूं देखकर अनन्या का रिएक्शन अब सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है। अनन्या पांडे इन दिनों सीरीज 'कॉल मी बे' में को लेकर जमकर सुखिय्यों में हैं। 'कॉल मी बे' की स्पेशल स्क्रीनिंग में सुहाना खान, अगस्त्य, करण जौहर, सैफ अली खान, सारा अली खान, कार्तिक आर्यन जैसे कई नामी स्टार्स शामिल हुए। स्क्रीनिंग के कई वीडियोज सोशल मीडिया पर अब जमकर वायरल हो रहे हैं, लेकिन इस सभी में एक वीडियो ने फैंस का ध्यान अपनी ओर खींचा, जिसमें सारा और कार्तिक एक-दूसरे को गले लगा रहे हैं और बातचीत करते दिखाई दे रहे हैं। दोनों को एक साथ देखकर अब अनन्या का रिएक्शन सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रहा है।'कॉल मी बे' प्रीमियर नाइट में कार्तिक और सारा को कई सालों के बाद एक साथ देखकर उनके प्रशंसक बेहद खुश हुए। इस प्रीमियर पर सारा अपने भाई इब्राहिम अली खान के साथ आयी थीं। इस दौरान कार्तिक, सारा और इब्राहिम तीनों साथ में बात करते दिखे। तीनों की बॉन्डिंग काफी स्ट्रांग दिखी। बात करते-करते सारा-कार्तिक ने एक-दूसरे को गले लगाया। अब इस वीडियो पर प्रशंसक लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।इस वीडियो में आप साफ देख सकते हैं कि कार्तिक आर्यन और सारा एक-दूसरे से बात करते और एक-दूसरे को गले लगाते दिखाई दे रहे हैं। अनन्या, कार्तिक के बगल में खड़ी हैं, जब कार्तिक से बात कर रहे हैं और बाद में जब वह उन्हें गले लगा रहे होते हैं। इस दौरान अनन्या का रिएक्शन देखने लायक था। प्रशंसक भी अनन्या के इस रिएक्शन पर अपनी राय लगातार सोशल मीडिया पर साझा कर रहे हैं। एक यूजर ने वीडियो पर कमेंट कर लिखा, 'अनन्या जेलस लग रही है।

'स्त्री 3 ' में एक ही शर्त पर दिखाई देंगे अक्षय कुमार हॉरर-कॉमेडी फिल्म को लेकर उत्साहित फैंस

(आधुनिक समाचार नेटर्वक)

नई दिल्ली। 'स्त्री 2' की अपार सफलता के बाद अब सभी की निगाहें हॉरर-कॉमेडी फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म पर टिकी हुई हैं। श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'स्त्री 2' लगातार बॉक्स ऑफिस पर कमाई कर कई इतिहास रच चुकी है। 'स्त्री 2' को इसकी पहली किस्त 'स्त्री' से भी ज्यादा पसंद किया जा रहा है। फिल्म में इस बार 'सरकटे का आतंक' वाकई में बॉक्स ऑफिस पर जमकर आतंक फैला रहा है। 'स्त्री 2' को दर्शक बेहद पसंद कर रहे हैं और अब इसकी तीसरी किस्त के आने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। वहीं अक्षय कुमार के प्रशंसक यह जानने के लिए बेताब है कि क्या 'स्त्री 3' में अक्षय दिखाई देंगे, जिस पर अब फिल्म 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिश ने अपनी चुप्पी तोड़ी है और बताया है कि किस एक शर्त पर 'स्त्री 3' में अक्षय कुमार नजर आ सकते हैं। 'स्त्री 2' को दर्शकों का भरपूर प्यार मिल रहा है, जिसे साफ तौर पर इसकी कमाई से मापा जा सकता है। रिलीज के 20 दिनों के भीतर ही फिल्म ने कई रिकॉर्ड तोड़ और अब 'स्त्री 2' 500 करोड़ के क्लब में शामिल हो चुकी है। फिल्म में राजकुमार राव, अभिषेक बनर्जी, पंकज त्रिपाठी, श्रद्धा कपूर और कई कलाकारों ने अपनी धमाकेदार परफॉर्मेंस से दर्शकों का दिल जीत लिया है। वहीं फिल्म में अक्षय कुमार और वरुण धवन ने कैमियो किया था, जो दर्शकों को बेहद पसंद आया। वहीं मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार अब 'स्त्री 3' में अक्षय नजर आएंगे या नहीं यह कहना अभी जल्दबाजी होगी। एक इंटरव्यू के दौरान 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिक ने अब इस बात पर अपनी चुप्पी तोड़ी है कि दर्शकों को 'स्त्री 3' के लिए कब तक इंतजार करना होगा क्योंतकि प्रशंसकों को 'स्त्री 2' के लिए काफी लंबा इंतजार करना पड़ा है। फिल्म 'स्त्री' 2018 में रिलीज हुई थी, और इसका दूसरा भाग देखने में छह साल लग गए। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक इंटरव्यू के दौरान 'स्त्री' के निर्देशक अमर कौशिक ने कहा, ''हमें हॉरर-कॉमेडी फ्रैंचाइजी के तीसरे भाग के लिए बहुत लंबे समय तक इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक डा0 दीपक अरोरा द्वारा रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र.) 211002 से मुद्रित एवं सी-41 यूपीएसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज। (उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।